૨૫૫ામ ૨૨૨૯- ૫૪૭શ્ર વ૨૫૯૬શ્ર

' વૃદિહ' ૧૮૨ મ શ્રંક ૧૫ ળભાર ૨૦૧૫ (વૃ૧૫ ૮ માસ ૯૧ શ્રંક ૧૮૨) 

ए શ્રંકમે શ્રછિ:-

પંચૈતી (ભઘુ પટકથા) ળાભ (**પટકથા**) **ભાળ** (एકાંકી-નાટક)-ન્ાળદેવ મંડભ

કાગળ- કભમ- ૫ભભવી માસ્ડભ

પંચૈતી (ભઘુ પટકથા)

પનિચિए-પાન : ન્ાળદેવ મંડભ

ળન્મ : ૧૫ માન્ચ ૧૯૬૦ ईમ્ાે
પિતા : સ્વ્ સોનેભાભ મંડભ ઉન્ક્ષ સોનાર મંડભ।
માતા : સ્વ્ શુભવતી દેવી।
પત્ની : શ્નીમતી ચન્દ્નપ્નભા દેવી।
પુત્ન : નિશિાન્ત મંડભ, ક ્ષાાકાન્ત મંડભ, વપ્નિકાન્ત મંડભ।
પુત્ની : નશ્નમ કુમાની।
માત ્ક : વેભહી (શુભપનાસ, મઘુવની)
મૂભગામ : મુસહનનિયાઁ, પોસ્ટ- નતનસાના, ભાયા- નિન્મભી, ળભિ- મઘુવની। **વહિન**- ૮૪૭૪૫૨
મોવારભ : ૯૧૯૯૫૯૨૯૨૦
શકિષા : एम्ए (મૈથિભી, હિન્દી, एભएભવી)
ई પત્ન : <u>ન્ાળદેકાવ્ભિમાભિયોમ</u>
પ્નકાશિત ક ્તિ:
(૧) શ્રમ્વના- કવિતા સંગ્નહ (૨૦૧૦)
(૨) વસુંધના કવિતા સંગ્નહ (૨૦૧૩)
(૩) હમન ટોભ- ઉપન્યાસ (૨૦૧૩)



पंचैती

(लघु पटकथा)

पुरुष पात्र-

१ चनेसर
२ रमुआ- ललिताक बाप
३ चारिटा ग्रामीण
४ सहदेव- किशनक पिता
५ मास्टर साहेब
६ पंच प्रमुख
७ तीनटा पंच
८ जमादार
९ किशन
१० किछु पंच, ग्रामीण, धीया-पुता, पुलिस)

स्त्री पात्र-

१ चनेसरक पत्नी
२ गीता- चनेसरक बेटी
३ किशनक माए

पहिल दृश्य-

स्थान- धनेसरक आँगन
समय- दिन
पात्र- धनेसर आ धनेसरक पत्नी।
(धनेसर आँगनमे प्रवेश करैत अछि ओकरा चेहरापर परेशानीक भाव अछि एम्हर-ओम्हर ताकैत पत्नीसँ पुछैए)

धनेसर- गीताक माए, एक गिलास पानि लाउ। बड़ी जोरसँ पियास लागल अछि।
गीताक माए- आब हम जान परेबै आकि अहाँकेँ पानि देब?
धनेसर- किए? गीता केम्हर गेल अछि?
गीताक माए- बेटी परीक्षा देबए गेल अछि आ अहाँकेँ पता नै अछि।
धनेसर- (मुँहपर तामसक भाव) की हेतै पढ़ि-लिखि कऽ कहियो सुनबो केलिए?
गीताक माए- की सुनबै?
धनेसर- अहाँकेँ बुझल नै अछि जे गाममे की भेलै।
गीताक माए- हमरा काज धंधासँ फुरसति भेटतै तब ने।
धनेसर- रमुआक बेटी कोनो छौड़ा संगे उड़ि गेलै। फुर्ररऽऽऽ।
गीताक माए- अँए! (अचरज भरल आँखिसँ पति दिसि देखैत अछि।)
धनेसर- हँ! बेसी पढ़ि-लिखि कऽ एहए सभ होइ छै।
गीताक माए- अहाँ तँ कोनो गपकेँ पकड़ि लइ छिऐ। ई सभ कहियो नै होइ छेलै। हँ, पहिने कम होइ छेलै आब बेसी होइ छै।
(समए बदलैत (बदलाव) सभ भऽ जाइ छै।)

कट टू

दोसर दृश्य-

समए- दुपहरिया
स्थान- रमुआक दुआरि
(रमुआ माथपर हाथ देने चिन्तामे डूमल अछि। तखने गामक किछु लोक पहुँचैए। लड़कीकेँ भागि गेलाक कारणे अपन-अपन तामस परगट कऽ रहल अछि।)

ग्रामीण एक- (क्रोधमे) देखियौ ने, हम सभ परेशान छी आ ई घरमे मुँह घोसिया कऽ पड़ल अछि।
ग्रामीण दू- लाज-शरम तँ होइते नै छै। एम्हर जाति समाजक नाक कटि गेलै।
ग्रामीण तीन- धुर! गामक लोक तँ थू-थू कऽ रहल छै।



ग्रामीण चारि- नै पूछू काका, गामक उचक्का छौड़ा सभ कहै छैथ, ओ छौड़ीक अभाव छौ तँ चलि जो ओइ ठामपर। शीतमे मरि जेतौ। हमरा तँ गामसे देह जरैत भ' गेल। काटि दैबै सारकेँ।

ग्रामीण एक- नै नै, एनामे तँ जाति-जातिमे झगड़ा बढ़ि जेतौ। आ दूटा जातिमे झगड़ा हेतौ तँ तेसर जातिकेँ फैदा हेतौ।

ग्रामीण तीन- मन तँ होइत अछि जे रमुआकेँ खुंडी-खुंडी क' दी।

ग्रामीण दू- पहिने चलू पंच सबहक पास।

ग्रामीण एक- नै, पहिने अपना जातिमे फैसला क' लेबै।

ग्रामीण चारि- (रमुआ तरफ इशारा करैत) ओकरा कही, छौड़ीकेँ ताकि लाबतौ। नै तँ। (हाथसँ इशारा करैत अछि।)

कट टू

तेसर दृश्य-

समय- राति

स्थान- सहदेवक घर।

पात्र- किशन, सहदेव, किशनक माए, ललिता।

(किशन आ ललिता चुकारि आँगनामे प्रवेश करैत अछि। ओकर पदचाप सुनि सहदेव लालटेन नेने घरसँ बाहर निकलैत अछि। लालटेनक इजोत किशन आ ललिताक मुँहपर पड़ैत अछि। सहदेव डर जाइत अछि। झपटि क' किशनकेँ पकड़ैत अछि आ घरक भीतर ल' जाइत अछि।)

सहदेव- रमुआबेटीकेँ एहन करि लबलीहि? बुझै छीहि, रमुआ आ ओकर जाति सभ केते तमसाएल छै। अपन भल चाहै छीहि तँ एकरा आपस घर पहुँचा दहि नै तँ ई सभ जीनाइ मोसकिल क' देतौ। (किशन किछुओ नै बजैए) तूँ बजै किए नै छँह रौ?

किशन- की बजबै? अहाँ तँ देखिते छिए जे हम दुनू गोटे एक-दोसरकेँ केते चाहै छिए।

सहदेव- तोरा चाहने आ नै चाहनेसँ की हेतौ?

किशन- हमरा चाहनेसँ की नै हेतै। हम दुनू गोटे बालिग छिए। हमरा कानून द्वारा विआह करैक अधिकार छै।

सहदेव- कानून अपना जगहपर छै आ पछिड़ल समाज अपना जगहपर अड़ल छै। एहन ई सभ नै चलतौ। कहै छियौ, मारल जेमेँ।

किशन- पता नै, अहाँ सभ पुरना गपकेँ कहिया तक लबने रहबै। केतेक लोक कुरबान भेल रहतै। ठीक छै, हमरा फैसलासँ अहाँ डरै छिए तँ हम जा रहल छी।

(ललिताक हाथ पकड़ि किशन जेबाक लेल तैयार होइत अछि। किशनक माए आबि क' आगूसँ रोकैत अछि।)

किशनक माए- बौआ एते रातिकेँ केतए जेबहक? बातकेँ बुझहक। हमरा सभ लोक तगतगर नै छी जे समाजसँ लड़ि सकब।

(किशन ललिताक संगे चलि जाइत अछि। ओकरा माए चिचियाइत हल्ला करैत अछि।)

रौ बौआ, रूकि जो रौऽऽऽ की हेतौ की नै।



([illegible])

[illegible]



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒔𑒰𑒩𑒱𑒧 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨-

𑒮𑒧𑒨- 𑒠𑒱𑒢

𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢- 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒏 𑒒𑒩।

𑒣𑒰𑒞𑓂𑒩- 𑒑𑒲𑒞𑒰, 𑒡𑒩𑒹𑒮𑒩, 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒰𑒋, 𑒋𑒫𑓀 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒡𑒱𑒨𑒰-𑒣𑒳𑒞𑒰।

(𑒒𑒩𑒏 𑒥𑒰𑒯𑒩𑒲 𑒦𑒰𑒑। 𑒑𑒲𑒞𑒰 𑒏𑒳𑒩𑒮𑒲𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒂𑒑𑒴𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒡𑒱𑒨𑒰-𑒣𑒳𑒞𑒰 𑒣𑒜𑓃𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒠𑒮 𑒥𑒩𑓂𑒐𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒕𑒾𑒛𑓃𑒰 𑒠𑒾𑒑 𑒏𑓄 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒔𑒱𑒙𑓂𑒚𑒲 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒏 𑒯𑒰𑒟𑒧𑒹 𑒠𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒤𑒹𑒩 𑒍 𑒬𑒲𑒒𑓂𑒩𑒞𑒰𑒮𑒿 𑒂𑒣𑒮 𑒖𑓄 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒔𑒱𑒙𑓂𑒚𑒲 𑒐𑒼𑒪𑒱 𑒑𑒲𑒞𑒰 𑒣𑒜𑓃𑒋 𑒪𑒑𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒑𑒲𑒞𑒰- 𑒍𑒯! 𑒪𑒪𑒱𑒞𑒰 𑒧𑒼𑒮𑒲𑒥𑒞𑒧𑒹 𑒤𑒿𑒮𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒱। 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒧𑒠𑒞𑒱 𑒏𑒹𑒢𑒰𑒃 𑒥𑒛𑓃 𑒖𑒩𑒴𑒩𑒲 𑒕𑒻।
(𑒔𑒱𑒙𑓂𑒚𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒤𑒰𑒛𑓃𑒱 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒿 𑒤𑒹𑒏 𑒠𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒥𑒑𑒪𑒧𑒹 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒮𑒰𑒃𑒏𑒱𑒪 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒥𑒱𑒠𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।)
𑒂𑒿𑒑𑒢 𑒠𑒱𑒮 𑒒𑒴𑒧𑒱) 𑒧𑒰𑒋𑓄𑓄 𑒯𑒧 𑒏𑒢𑒲𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒂𑒣𑒮 𑒋𑒥𑒾। (𑒮𑒰𑒃𑒏𑒱𑒪 𑒞𑒹𑒖𑒲𑒮𑒿 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒡𑒱𑒨𑒰-𑒣𑒳𑒞𑒰 𑒯𑒪𑓂𑒪𑒰 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒣𑒛𑓃𑒰 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒁𑒕𑒱।)

𑒏𑒙 𑒙𑒴

પાઁચમ દૃશ્ય-

સમય- દિન।

સ્થાન- સડ઼ક।

પાત્ર- ગીતા।

(ગીતા પરેશાન મુદ્રામે સાઇકિલસઁ જા રહલ અછિ। અપન પ્રેમક બીતલ કથામે ડૂમલ અછિ। સડ઼કપર ચલિ રહલ। નિર્દેશાનુસાર।)

ક્રમશઃ

છશ્રમ દૃશ્ય-

સ્થાન- માસ્ટર સાહૈવક ઘર।
પાત્ર- ગીતા, માસ્ટર સાહૈવ।
(સેવા નવિૃત્ત માસ્ટર સાહૈવ શ્રપના નીળી પુસ્તકાઉમે પઢ઼િ રહઉ છથિ।)

ગીતા- (પ્રવેશ કરૈત) પરનામ સર।
માસ્ટર સહૈવ- (શ્રસીરવાદ દૈત) શ્રાવહ, વૈસહ। વહુત દનિક વાદ દેપ્પઉયિ઼ૌ। કોનો વ઼શિષ ગપ છૈ કી?
ગીતા- હમ શ્રહાઁસઁ મદત ઉરૂઉ શ્રાએઉ છી।
માસ્ટર સાહૈવ- કેહેન મદત?
ગીતા- શ્રહાઁ તઁ ઉઉતિ। શ્રા કશિનક વારેમે સભ કછુિ ળનતિ હેવૈ। એહેન સ્થતિમિ઼।
માસ્ટર સાહૈવ- સભ કછુિ વુહૈ છથિ શ્રપન સમાળ નૂઢ઼વિ઼ાદી છૈ। હમર તઁ સભ દનિસઁ કોશશિ રહઉ શ્રછિ ળે ઈ ળાતકિ વંધન ટુટૈ। સમાળકેઁ વદઉૈઉ પૂરા ળનિગી ઉગા દેઉપિ। કન્તુિ સમાળ નૈ વદઉઉ। પ્પૈર, એોક દનિક પછાતિ તૂઁ કમસઁ કમ એ વાતક ઉઉ ગાઢ઼ તઁ ભેઉઁ। હમરા વુતે ળેતે સંભવ઼ હેતૌ તેતે મદત ળરૂર કરવૌ।

ક્રટ ટૂ



सातम दृश्य-

समय- दिन।

स्थान- गीताक घर।

पात्र- गीता आ चनेसर दुनू परानी।

(चनेसर चिट्ठीवला कागतक टुकड़ी हाथमे नेने पत्नी दिसि बढ़ैत अछि। ओही समैमे गीता साइकिल नेने प्रवेश करैत अछि। ओकरापर नजरि पड़िते चनेसर तमसा जाइत अछि।)

चनेसर- (सक्रोध) गीता! एम्हर आ। (कागत देखबैत)
ई की छिऐ?

गीता- (चुपचाप ठाढ़ अछि)

चनेसर- तूँ जवाब किए ने दइ छेँ?

पत्नी- (बीचेमे आबि) अहाँ किए हमरा बेटीपर तमसा रहल छिऐ।

चनेसर- अही एकरा कपारपर चढ़ा नेने छिऐ। देखियौ, ई लड़िकाक चिट्ठी। (गीता दिसि घूमि कऽ)
तोरासँ एहेन आशा नै छल।

गीता- ऐमे ओकरा सबहक कोनो गलती नै छै।

चनेसर- (तामस बढ़ि जाइत अछि) लगैए, तोरो दिमाग खराप भऽ गेलौ। अपनासँ तूँ कतौ नै जा सकै छेँ। चल घरक अन्दर। (हाथ पकड़ि घिकियेने कऽ घरक अन्दरमे दऽ कऽ बाहरसँ केबाड़ लगा दैत अछि।)

पत्नी- अहाँ बताह जकाँ किए करै छिऐ।

चनेसर- हमरा एलासँ पहिने जँ घर खोलबै तँ हमरा जीअत नै देखबै।
(हड़बड़ा कऽ झोरा लैत अछि आ तेजीसँ बाहर निकलि जाइत अछि।)

पत्नी- आब हम की करबै। (कानए लगैत अछि।)

कट टू

આઠમ દૃશ્ય-

સમય- દિન।
સ્થાન- ચનેસરક ઘર।
પાત્ર- ગીતા આ ચચિ-પુતા, કછુ લોક।
(ગીતા ઘરક ભીતરીમે ટહલિ-બુલિ રહલ અછિ। મુઁહપર બેચૈનીક ભાવ છૈ। ખિડ઼કી ખોલૈત અછિ।)
કછુ લોક સડ઼કપર ઠા રહલ અછિ। એકટા આઠ વર્ષક છૌડ઼ાકેઁ ગીતા સોર પાડ઼ૈત અછિ આ ઓકરા ઇશારાસઁ કેવાડ઼ ખોલૈલે કહૈત અછિ। ઓ વાહરસઁ વન્ન અછિ। છૌડ઼ા ટેવુલપર ચઢ઼િ કેવાડ઼ ખોલિ દૈત અછિ।)

ક્રમશઃ


संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

પ્રથમ દૃશ્ય-

સમય- દિન।

સ્થાન- ગામક પંચાયત સ્થલ।

ગામક બાહર ગાછતર ચબુતરાપર પંચ-પ્રમુખ આ પંચગણ બૈસલ અછિ। ચબુતરાક નચિયાંમે ગૌઆં-ઘરૂઆ સભ જમા ભેલ અછિ। કિછુ યુવક સભ લાઠી લેને કિશન આ લલિતાકેં ઘેરને અછિ। ગ્રામીણ સભ આપસમે ઘોલફચ્ચકા કઽ રહલ અછિ।

પંચ પ્રમુખ- સભટા ગપ સુનલૌં। વાસ્તવમે, અપના ગામ આ સમાજક લેલ ઈ ઘિનૌના ઘટના છી અઇલ ઓહને જનાગિર દણ્ડ હેબાક ચાહી।

પંચ એક- હું હું અહાં ઠીકે કહૈ છિયૈ। જઁ એ તરહેં હૈત રહતૈ તઁ કેકરો ઇજ્જત-પ્રતિષ્ઠા નૈ બઁચતૈ।

પંચ દૂ- ને જાતિક બન્ધન આ ને બડ છોટક ખ્યાલ। હમરા સબહક જમાનામે કહિયો એના ભેલ છેલૈ।

પંચ એક- (કિશન દિસિ હાથ ચમકવૈત) ઈ સભ પઢ઼િ-લિખિ કઽ ગામક નાઓ કી કરતૈ। ઉનટે સમાજ આ જાતિકેં દાગ લગા દેલકૈ।

(લીડઁ ગીતા નિકલૈત અછિ। ઓકર નજરિ અપના બાબૂસં મિલૈત અછિ આ પિતાક નજરિ દૂર જાઇત અછિ।)

પંચ પ્રમુખ- (ક્રોધમે) એકરા કેશ કટા કઽ કારિખ-ચુન લગા આ ગદહાપર બૈસા દહી।

પંચ એક- હે રૌ, કારિખ-ચુન એમહર લા। લગા, મુંહ-કાનમે। (લબૈત અછિ।)

પંચ દૂ- એ છૌડીકેં પીઠપર કોડ઼ા લગાબાક ચાહી।

(લીડકેં ઠેલૈત ગીતા આગૂ અબૈત અછિ।)

પંચ એક- ઘોડ઼ાક કોડ઼ા કહાં છૌ? લા હમરા હાથમે। (લબૈત અછિ।)

ગીતા- યૌ પંચ પરમેસર, કાનૂનક હિસાબસં અહાંક ફૈસલા ગલત અછિ। દેશ-દુનિયાં કેતે આગૂ બઢ઼િ ગેલૈ આ અહાં સભ ઓહિ પુરના ગપમે લટપટાએલ છી। પ્રેમ કએલ નૈ જાઇ છૈ, ભઽ જાઇ છૈ। આ પ્રેમ જાતિ, ધરમ નૈ દેખૈ છૈ। આબ તઁ સરકારો એકરા માન્યતા દઽ દેને છૈ। કાનૂન બનિ ગેલ છૈ। અહાં સભ તઁ કાનૂનક રખવાર છી। કની સોચિયૌ, અહાં સબહક ફૈસલાસં દૂટા જિનગી બેરબાદ ભઽ જેતૈ। અપન વ્યવસ્થા દેખબૈલ ઈ અન્યાય કઽ રહલ છિયૈ। દુનૂ બાલિગ છૈ, તંએ બિઆહ કરબાક લેલ સ્વતંત્ર છૈ।

પંચ દૂ- ચપેસરાજી, અહાં અપના બેટીકેં એહને બાત સભ સિખૌને છિયૈ? અહાં તઁ સમહદાર છી। એહેન લોકક બીચમે અહિના બજલ જાઇ છૈ? એહેન ગપ બજૈત લાજ હેબાક ચાહી।

(પુલિસક ગાડ઼ી ધડધડ઼ા કઽ અબૈત અછિ। જમાદારક સંગ માસ્ટર સાહેબ ઉતરૈત અછિ। સભ તાકએ લગૈત અછિ।)

માસ્ટર સાહેબ- લાજ તઁ અહાં સભકેં હેબાક ચાહી। એ દુનૂકેં કાનૂની શાદી ભઽ ગેલ છૈ। એકર પછાતિઓ અહાં અતિયાચાર કઽ રહલ છિયૈ।

जमादार- (तामससँ ओककेँ हटबैत) जे पंच छी, से सभ सुनि लिअ। ऐ दुनूकेँ विआहक कानूनी कागत थानामे जमा छै। अहाँ सभ अतियियाचार कऽ रहल छलिऐ। कानूनक हिसाबसँ अहाँ सभ गिरिफ्तार भऽ जाएब।

(जमादारक बात सुनि सभ पंचक माथा झूकि जाइत अछि। जमादार नीचाँमे ढुकि किशन आ ललिताकेँ बाहर निकालैत अछि। किशन आ ललिता मास्टर साहेबक पएर छुबैत अछि। पाछूसँ गीता निकलैत अछि आ मास्टर साहेबकेँ प्रणाम करैत अछि।)

मास्टर साहेब- (आसिरवाद दैत) गीता, तोरा काजसँ हम बड्ड खुशी छी। (धनेसर दिस ताकि) यौ धनेसरजी, अहाँक बेटी समाजक लेल बड़का काज केलक। अहाँक गौरव हेबाक चाही। आसिरवाद दियौ।

(धनेसर गीताकेँ आसिरवाद दैत अछि।)

शब्द संख्या- १५३५

कट टू

जाओ

पटकथा



𑒠𑒴 𑒬𑒥𑓂𑒠-

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒧𑒹 𑒣𑒙𑒏𑒟𑒰𑒏 𑒁𑒦𑒰𑒫𑒏𑒹𑓀 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒌 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒧𑒹 𑒁𑒪𑓂𑒣 𑒢𑒯𑒱𑒞𑒼, 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒕𑒼𑒙 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒏𑒹𑒪𑒾𑓀। 𑒮𑒤𑒪 𑒦𑒹𑒪𑒾𑓀 𑒂𑒏𑒱 𑒁𑒮𑒤𑒪, 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒝𑒨 𑒆 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒹 𑒏𑒩𑒞॥

-𑒩𑒰𑒖𑒠𑒹𑒫 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪

પાત્ર પરિચય-

(પટકથા)

१ વિક્રમ- નાયક
२ વનસા- નાયિકા
३ શ્યામબાબૂ- વનસાક પતિ
४ મનદેવ- વનસાક મામા
५ નપ્પયિા- વનસાક મામી
६ હનિયા- ખલનાયક
७ સુરદયન- ખલનાયકક પતિ
८ મુંશી- સુરદયનક મુંશી
९ ચનકી- હનિયાક પ્રેમિકા
१० શુભિયા- ચનકીક માએ
११ ડોભના- ચનકીક પતિ
१२ જકોબવા- ચનકીક બાએ
१३ વિક્રમક માએ- નાયકક માએ
१४ નઘુઆ- વિક્રમક સંગી
१५ ટહલૂ- ગામક એક વ્યક્તી

(દોકનદાર, સિપાહીક દલ, હનિયાક સંગી બદમાશ તથા કછુ ગ્રામીણ આ પંચગામા।)


 ISSN 2229-547X VIDEHA

पहिल दृश्य-

समय- भोर
स्थान- नदीक किनार

नदीक आस-पड़ोसक दृश्य उभरैत अछि। सुरुज उगि रहल अछि। किनारपर गाम-घरक लोक, जानवर पसरल हरिअरी, गाए, भैंस, बकरी सभ चरैत। गाछ आ थाल-कादोमे खेलाइत बच्चा-बुच्चा। दूर-दूर धरि देखाइत अछि।

कट टू।

धारमे नाह चलि रहल अछि। जैपर चैढ़ कऽ गामक लोक शहर जाइत अछि, जरूरी चीज-बौस कीनै आ बेचैले। धारक ए पार गाम आ ओइ पार देखा पड़ै अछि- कौलेज, स्कूल, रेलवे टीसन, चौक आ ठाढ़ बस। केतो गोटे नाहसँ उतर कऽ गाम दिसि आबि रहल अछि। नदी आ ओइठामक जिनगीसँ सम्बन्धित गीत नवतुरिया गाबि रहल अछि।

कट टू।



दोसर दृश्य-

समय- भोर
पात्र- विक्रम, विक्रमक माए
स्थान- विक्रमक घरक बाहरी भाग।

(घरक बाहर दुआरिपर गाए आ बरद बान्हल अछि। विक्रमक माए गाए दूहि रहल अछि। दूधसँ भरल बाल्टीन दुआरिक कोनपर राखल अछि आ बड़बड़ाइत आँगन दिसि बढ़ल अछि।

विक्रमक माए- विक्रम अपनी तक सुतल छै शायद। की करतै छौड़ा, परेशान रहै छै। पढ़ाइक संगे घरोक काज करए पड़ै छै। (जोरसँ) हे रौ बौआऽऽऽ विक्रम बेटाऽऽ, उठ जल्दी भोर भऽ गेलै।

कट टू।

ISSN 2229-547X VIDEHA

તેસ૧ દ઼ૃશ્ય-

સ્થાન- વ઼િક્રિ૧મક ઘ૧ક મીતની માગા
સમ૯- દિનિ
પાત્ર- વ઼િક્રિ૧મ

(વ઼િક્રિ૧મ ઘ૧મે સૂતઉ અછિ। ચૌકીક વગાઉમે ટેવુઉપ૧ પોથી આ ક◌ૉપીક ઢેની અછિ। ઓરપ૧ એકટા ટેવુઉ ઘડ઼ીઓ અછિ।
માઉક સ્વ઼ન સુનિ દેહપ૧ સઁ ચદ્દૈ૧ હટવૈત અછિ। અઁગૈ઼ કમેત ઘડ઼ીપ૧ નળે૧ દૈત અછિ। ઘડ઼ી દસિ દેખ્તિ ઘુઙ઼ઘુડ઼ા કઽ ઉઠેત અછિ।)

વ઼િક્રિ૧મ- જોન જઽ ગેલૈ। ળુઉમક ગપ્પ! આર ઘડ઼ીયૌ નૈ વળલૈ। દૂચ કપ્પેન શહ૧ પહુઁચૈવૈ? (ળો૧સઁ) અવૈ છયૌ માઉઽઽા

કટૂ ટૂ।

चारिम दृश्य-

स्थान- विक्रमक दुआरि
समय- दिन
पात्र- विक्रमक माए आ विक्रम

(विक्रमक माए एकटा बड़का कनस्तरमे दूध लेने रहए अछि। दूध लेने कऽ आँगन दिस जाइत अछि। तखने विक्रम शर्टक बटम लगबैत आँगनसँ निकलैत अछि। दुआरिक कातसँ साइकिल लगा ओइपर दूधक बर्तन लटकबैत अछि। आगू-पाछू देखैत, घण्टी टुनटुनबैत आगू बढ़ैत अछि।)

विक्रमक माए- आइ दूधो कमे भेलौ।
(साइकिलपर बैढ़ चलि पड़ैत अछि। ओकर माए पाछूसँ सोर पाड़ैत अछि।)

विक्रमक माए- विक्रमऽऽऽ तूँ कहिओ बदलबो करबहि?

विक्रम- नै। कहाँ कहिओ।

विक्रमक माए- मन पड़लौ?

विक्रम- हँ-हँ। ऊ बेकेन्सीबला आर्मी पोस्ट ऑफिसमे रजिस्ट्री करबाक छै। मन नै पड़ितौ तँ छूटि जइतौ।

(माए हँसैत लबा कऽ दैत अछि आ लोटीमे रखैत विक्रमक साइकिल चलि पड़ैत अछि।)

विक्रमक माए- बुड़बक कऽ गेलै। (रस्ता दिस ताकैत रहि जाइत अछि।)

कट टू।

 ISSN 2229-547X VIDEHA

પાઁચમ દૃશ્ય-

સ્થાન- ગામક એક બાગ।
સમય- દિન
પાત્ર- રઘુઆ, વિક્રમ

દુઆરાકિ ચબુતરાપર રઘુ ગહ્ રહલ અછિ। કપારપર પાનિ ઢરૈત કાલ ભોર-ભોરસઁ 'રામ-રામ'ક જાપ કઽ રહલ અછિ। બગલસઁ ગુજરૈત ડગરપર સાઇકલિસઁ વિક્રમ જા રહલ અછિ। રઘુઆક નજરિ ઓકરાપર પડ઼ૈત અછિ।

રઘુઆ- યૌ દરોગા બાબૂ। કની સુસ્તા લિઅ। બસ એક મિનિટ। હમહૂઁ અહીંક સંગે ચલબ। તૈયારે છી। બસ ધોતીક ઢેકા ખોસએ દિઅ।

વિક્રમ- નૈ રઘુ કાકા। હમરા દેરી ભઽ ગેલ અછિ।

રઘુઆ- રૌ બતીસવા। તુરન્તે દુનિયાઁ આન્હર ભઽ જેતૌ। હે રૌ ઠાઢ઼ રહ। હે હે ઢેકા ખોસએ દે।

(વિક્રમ સાઇકલિ આગૂ બઢ઼ા દૈત અછિ। પાછૂસઁ રઘુઆ ડાઁડ઼મે ધોતી લટપટૌને રહિ જાઇત અછિ।)

કટ ટૂ।



साइकिलक दुनू पहिया तेज गतिसँ चलि रहल अछि। ओहिपर चढ़ल आ जोर-जोरसँ नसिँस खिसियैत विक्रम देखा पड़ैत अछि। असगरमे बड़बड़ाइत अछि।

विक्रम- बेदरामे चोर-सिपाहीक खेल खेलाइत काल-सिपाही बेसी हमरे बनए पड़ै छल। तहिएसँ सभ हमरा दरोगा कहए लागल। आब कहैत अछि तँ तामस लहरैत अछि। करबै की? आब हमरा दरोगा बनैक उपर करए पड़त। जे होइ ए परीछामे पूरा जोर लगाबए पड़त।

(पाछू मुँहेँ घुमि कऽ तकैत अछि। रघुआ धोती सम्हारैत दौगल आबि रहल अछि।)

रघुआ- (हाथ उठा कऽ हल्ला करैत) रे भतीजवा, ठाढ़ रह। एतेक दूरसँ दौगल अबै छियौ, आबो तँ चढ़ा कऽ लेने चल।

(विक्रम और तेजीसँ साइकिल आगू बढ़ा दैत अछि।)

कट टू।

છઠમ દૃશ્ય-

સમય- દિન
સ્થાન- નદીક તટક વાલ્ગી માગ
પાત્ર- વનસા (નાયિકા)

નદીક કાતે-કાત ઘાસ-ફૂસક વીચમે વાટ દેખા પડૈત અછિ। ઓર વાટપર હાથમે પોથી નેને વનસા તેજીસઁ આવિ રહલ અછિ।

કટ ટૂ।

નદીક કછેરમે નાહ ગાઢ઼ ભેલ દેખા પડૈત અછિ। એક સત નાહપર ચેઢ઼ રહલ અછિ, કછુ ગોટે ચઢ઼ેક પ્રયાસમે અછિ।

કટ ટૂ।

દેખા પડૈત અછિ- એક તરફ તેજીસઁ સાઇકિલપર ચઢ઼લ વ્યક્તિ આવિ રહલ અછિ આ દોસર દિસિસઁ વનસા દૌગૈત આવિ રહલ અછિ।

કટ ટૂ।

(નાહ ખુગૈલ તૈયાર અછિ। તખને વનસા પહુઁચ જાઇત અછિ। કૈએક સ્ત્રી-પુરુષ એકે સંગ કહૈત અછિ।)

સ્ત્રી-પુરુષ- હૈ બનસિયા, કની ફૂકિ જાહક।

સ્ત્રી- હાથ વઢ઼ાઉ દાયા પૈચ કડ ચઢ઼ા લેડ છી।

વનસા- કોનો વાત નૈ હમ અપને ચેઢ઼ જાએવ।

(કહૈત નાહપર ચેઢ઼ જાઇત અછિ।)

(તખને વ્યક્તિ સાઇકિલ ઘાસ્ટી વળવૈત આ હલ્લા કરૈત નાહ લગ પહુઁચ જાઇત અછિ। સાઇકિલ વ્યેક લગવૈત શાનિ કડ ઉતરૈત અછિ।)

વ઼િક્ાિમ- હે ગૌ માયા હમગો ચઢ઼ા ઊ। આર અહુગા હમગા ઊટ મઽ ગેઊ છૌ।

(સારકથિકેં ગાહપગ ઊદૈત અછિ। આ ચૈઢ઼ ળાશ્ત અછિ। ગાહ પ્ઘુગિ ળાશ્ત અછિ।)

કટ ટૂ।

(દેપ્પા પડૈત અછિ ળે વ઼િક્ાિમકેં પૈગસઁ વગસાક પઍગ ચપિા ગહઊ અછિ। વગસા પઍગ પ્પચિક કોશશિ કઽ ગહઊ અછિ। તાવે વ઼િક્ાિમક ગળૌગ ગચિયૉં પડૈત અછિ। ઓ ચટ દગિ અપગ પઍગ હટા ઊત અછિ।)

વ઼િક્ાિમ- ઓહ઼। હઙવડ઼ીમે પઍગ પડિ ગેઊ। ચપિા ગેઊ કી? ચકમ-ચુક્કીમે ઍગા મઽ ળાર છૈ।

(વગસા કછિો ગૈ વળૈત અછિ।)

વગસા- (ટાઁગ દસિ તકૈત) ઍંહ।

(વ઼િક્ાિમ ઓકગા દસિ દેપ્પૈત અછિ। વગસા ગળૌગ હુકા ઊત અછિ। વ઼િક્ાિમ ટકટકી ઊગા કઽ ઓકગા દસિ દેપ્પતે ગહિ ળાશ્ત અછિ।)

(શ્ઊૈશ વૈક- દુગૂ સપગામે પ્ગેમ ગીત ગાવિ ગહઊ અછિ।)
(શ્ઊૈશ વૈક સમાપ્ત)
(વ઼િક્ાિમ વગસાક હાથ પકડ઼ને ઠાઢ઼ અછિ।)

વગસા- (તામસમે) હાથ છોડૂ। દમિાગ ઠીક અછિ કી ગૈ।
વ઼િક્ાિમ- ગઊ્તી મઽ ગેઊ। હે હમ ળાગિ કિઽ ઍગા ગૈ કેઊૈ। ઊકગિ અહાઁ વઙ્ઙ તમસાહ છી।

(વગસા તામસમે ઓકગા દસિ આઁપ્પિ ગુડ઼ાગિ કિઽ દેપ્પૈત અછિ। ઊક સમ હઊઊ-ગુઊ્ઊ કગૈત ગાહસઁ ઉઠૌગ ગહઊ અછિ। વ઼િક્ાિમ ઓકગા ક્ગોચસઁ વઁચવાક ઊઊ આસમાગ દસિ તાકઍ ઊગૈત અછિ।)

વ઼િક્ાિમ- સમઍ કેતે સુગ્દગ છૈ। ઈ વાદઊક ટુકડ઼ી સમ કેતે ગેશમે દૌગઊ ળા ગહઊ છૈ। ઊગૌ છૈ કેકગોસઁ ભેંટ કગવાક ઊઊ હઙવડ઼ીમે હુઅઍ।

કટ ટૂ।

(ગાહસઁ સમ ઉઠૌગ ગેઊ છૈ। ઊક સમ દૂ-ચાગિ ડેગા આગૂ વઢ઼િ ગેઊ છૈ। અસગામે વ઼િક્ાિમ ગાહપગ અછિ।)

ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒢𑒫𑒢𑒲𑒞𑒰- 𑒯𑒹 𑒨𑒾 𑒧𑒰𑒨𑒰। 𑒂𑒮𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒞𑒰𑒩𑒰 𑒑𑒢𑒱 𑒕𑒲 𑒏𑒲? 𑒨𑒾 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒹𑒢 𑒠𑒱𑒢 𑒕𑒻 𑒢𑒰𑒞𑒱 𑒢𑒻। 𑒯𑒙 𑒠𑓄 𑒑𑒰𑒕𑒮𑒿 𑒅𑒞𑒩𑒴। 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒹𑒢 𑒞𑒰𑒩𑒰 𑒢𑒻 𑒦𑒹𑒙𑒞।

𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧- 𑒯𑒿। 𑒯𑒻𑒨𑒰 𑒅𑒞𑒩𑒻 𑒕𑒲। 𑒍𑒏𑒼 𑒏𑒹𑒞𑒼 𑒯𑒛𑓃𑒥𑒛𑓃𑒲𑒧𑒹 𑒕𑒻।

(𑒣𑒙 𑒠𑓄 𑒮𑒰𑒃𑒏𑒱𑒪 𑒅𑒞𑒰𑒩𑒱 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒏𑒙 𑒙𑒴।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒮𑒰𑒞𑒧 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨-

𑒮𑒧𑒨- 𑒠𑒱𑒢

𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢- 𑒕𑒼𑒙𑒏𑒰 𑒬𑒯𑒩

(𑒧𑒱𑒭𑓂𑒙𑒰𑒢 𑒂 𑒔𑒰𑒯𑒏 𑒠𑒼𑒏𑒰𑒢)

(𑒠𑒼𑒏𑒰𑒢𑒠𑒰𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒥𑒛𑓃𑒏𑒰 𑒏𑒩𑒰𑒯𑒲𑒧𑒹 𑒠𑒴𑒡 𑒎𑒙 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒑𑒪𑒧𑒹 𑒙𑒹𑒥𑒳𑒪-𑒥𑒹𑓀𑒔 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒯𑒱𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮 𑒏𑓄 𑒠𑒴𑒙𑒰 𑒧𑒼𑒕𑒥𑒪𑒰 𑒔𑒴𑒛𑓃𑒰-𑒠𑒯𑒲 𑒮𑒳𑒛𑓃𑒏𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒐𑒢𑒹 𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧 𑒮𑒰𑒨𑒏𑒪𑒱𑒏 𑒒𑒝𑓂𑒙𑒲 𑒙𑒳𑒢𑒙𑒳𑒢𑒥𑒻𑒞 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒠𑒼𑒏𑒠𑒰𑒩- 𑒨𑒾 𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧 𑒥𑒰𑒥𑒴। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒞𑒿 𑒪𑒑𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒋 𑒖𑒹 𑒂𑒃 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢𑒹 𑒢𑒻 𑒯𑒹𑒞𑒻।
𑒯𑒹 𑒯𑒹 𑒮𑒧𑓂𑒯𑒰𑒩𑒱 𑒏𑓄।
(𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧𑒏 𑒮𑒰𑒨𑒏𑒪𑒱 𑒡𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒠𑒴𑒡𑒏 𑒥𑒩𑓂𑒞𑒢𑒮𑒿 𑒙𑒏𑒩𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।)
𑒨𑒾 𑒥𑒰𑒥𑒴, 𑒥𑒮𑒢𑓂𑒞𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒑𑒰𑒧 𑒢𑒻 𑒁𑒕𑒱 𑒏𑒲?

𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧- 𑒨𑒾, 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒮𑒢𑓂𑒞𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒖𑒹𑒩 𑒢𑒻 𑒪𑒑𑒰𑒅।

(𑒮𑒰𑒨𑒏𑒪𑒱𑒮𑒿 𑒯𑒛𑓃𑒥𑒛𑓃𑒰 𑒏𑓄 𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧 𑒅𑒞𑒩𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒠𑒴𑒡 𑒢𑒰𑒣𑒱 𑒏𑓄 𑒏𑒩𑒰𑒯𑒲𑒧𑒹 𑒠𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒼𑒕𑒥𑒪𑒰 𑒞𑒹𑒖𑒲𑒮𑒿 𑒠𑒯𑒲 𑒮𑒳𑒛𑓃𑒏𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱।)

𑒂𑒃 𑒖𑒿 𑒠𑒴𑒡 𑒢𑒻 𑒂𑒢𑒱𑒞𑒾 𑒞𑒿 𑒔𑒰𑒯𑒏 𑒠𑒼𑒏𑒰𑒢 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒔𑒪𑒻𑒞? 𑒖𑒿 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒠𑒴𑒡 𑒪𑒻𑒞𑒾 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩 𑒩𑒼𑒖𑒑𑒰𑒩 𑒧𑒰𑒩𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞।

𑒠𑒼𑒏𑒰𑒢𑒠𑒰𑒩- 𑒯𑒿 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒚𑒲𑒏𑒹।

𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧- 𑒐𑒹𑒞 𑒢𑒻 𑒅𑒣𑒖𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒃 𑒠𑒴𑒡𑒏 𑒩𑒼𑒖𑒑𑒰𑒩 𑒣𑒻𑒠𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒾। 𑒞𑒯𑒴𑒧𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒙𑒰𑒿𑒑𑒧𑒹 𑒏𑒳𑒛𑓃𑒯𑒻𑒩 𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒪𑒱𑒥।

(𑒮𑒰𑒨𑒏𑒪𑒱 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒏𑒙 𑒙𑒴।

શ્રાઠમ દૃશ્ય-

સમય- દિન
સ્થાન- પોસ્ટ શ્રૉફિસ

(વિક્રમ પોસ્ટ શ્રૉફિસક કાઉન્ટરપર ઠેઢ઼ દઽ રહલ શ્રછિ। શ્રૉફિસક કર્મી સ્પીડપોસ્ટક મોહર લગા કઽ રસીદ વિક્રમકેં હાથમે દૈત શ્રછિ।)

કટ ટૂ।

સ્થાન- પોસ્ટ ઑફિસક વાહરી ભાગ
સમય- દિન

(એક દિસિસઁ ઠેઢ઼રવૉક્સમે ઠેઢ઼ ગપ્પ કઽ વરસા નિકલૈત શ્રછિ। દોસર દિસિસઁ રસીદકેં દેખૈત વિક્રમ શ્રવૈત શ્રછિ। દુનૂ એક-દોસરાસઁ ટકરા જાઇત શ્રછિ। વરસાકેં હાથસઁ પુસ્તક ગિરિ પડ઼ૈત શ્રછિ। વિક્રમ પુસ્તક ઉઠેવૈલ ઝુકૈત શ્રછિ। શ્રોકરાસઁ પહિને તમસાઇત વરસા પુસ્તક ઉઠા કઽ ચલિ જાઇત શ્રછિ।

વિક્રમ- (ઊપર દેખૈત) હે ભગવાન એકરાસઁ રક્ષા કરૂ।

કટ ટૂ।

नवम दृश्य-

समय- राति
स्थान- विक्रमक घर

(घरमे लालटेनक मद्धिम इजोत। विक्रम चद्दैर ओढ़ने बारम्बार कर फेर रहल अछि। ओकरा सपनामे बारम्बार बरसा चलि अबैत अछि। ऐ कारणे ओकरा निन्न नै होइत अछि। लालटेनक इजोतकेँ कम करैत अछि आ चद्दैर तानि सुतैक परयास करैत अछि।)

कट टू।

(फ्लैश बैक- बरसा आ विक्रम सपनामे प्रेम-गीत गाबि रहल अछि।)
(फ्लैश बैक समाप्त)

कट टू।

(मालक घर दिसिसँ मवेशी खढ़क टाटमे धक्का मारि रहल अछि। स्वर सुनि विक्रम चट दनि उठैत अछि आ लालटेनक इजोत बढ़बैत अछि। टाटक भूरसँ हुलकी मारैत अछि। खुगल बड़द देखा पड़ैत अछि। फेर लालटेनक इजोत कम करि दैत अछि। अन्हार समैर कऽ ओगामे चलि अबैत अछि।)

कट टू।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

दसम दृश्य-

समय- भोर
स्थान- नदीक किनारा

(दूरमे मंदिर आ मस्जिद देखा पड़ैत अछि। मंदिरक घण्टाक स्वर। मुर्गाक अवाज। गाए, बकरी, बड़द हाँकने जाइत लोक सभ। साइकिलपर चढ़ल बक्रिम जा रहल अछि।)

कट टू।

समय- दिन
स्थान- नदीक किनारा

(बक्रिम नदीक किनारपर बैसल बरसाक प्रतीक्षा कऽ रहल अछि। नाह ऐपार-सँ-ओइपार अबैत अछि, जाइत अछि किन्तु बरसा नै अबैत अछि। मुदा बक्रिम छटपटा रहल अछि।) डिजॉल्व।

कट टू।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

એગારહમ દૃશ્ય-

સમય- દિન

સ્થાન- સુરદયનક ઘર

(સુરદયન આ ઓકર મુંશી કુરસી-ટેબુલ લગા કઽ બૈસલ અછિ। સુરદયન કછિુ સોચિ રહલ અછિ, ઓકરા બગલમે મુંશીજી બહી-ખાતા ઉનટા-પુનટા રહલ અછિ।)

મુંશી- માલિક! અહાઁ શ્યામ બાબૂકેઁ કહિ નૈ કહૈ છહિ। ઓકરાપર તેતેક સુરદ બઢ઼િ ગેલૈ જે સનટા ખેત લિખિ દેત તૈયો નૈ સધતૈ।

સુરદયન- હમહૂઁ તઁ સહએ સોચિ રહલ છી।

મુંશી- ગામક ધચિ઼ા-પુતાકેઁ ટીસન પઢ઼બૈ છૈ। એનએ ખેતી નૈ ઉપજૈ છૈ। કી હેતૈ। સુનૈ છી જે બેટીકેઁ પઢ઼ા રહલ છૈ। આમદની અઠન્ની આ ખરચા રૂપૈઆ।

સુરદયન- બસ નૈ ચ઼ાએહ બેબસ હેતૈ। હમ નૈ તઁ હમર બેટા બેબસ કઽ દેતૈ। કરજા સધબૈમે દેરી હેતૈ તબ ને ખેત-પથાર આ ગહના-જેબ઼ર દેરલ બેબસ હેતૈ।

મુંશી- જઁ આગાંખા સાલક અસલ નીક હેતૈ તઁ બેચિ કિઽ ચુકતા કઽ દેત। તબ?

સુરદયન- સભૈપર ખાદ-પાની મેટબે નૈ કરતૈ તઁ ઉપજા નીક કેના કઽ હેતૈ। હમર જાલ કેતેક દૂર ધરિ પસરલ છૈ। અહાઁ તઁ બુઝિતે છી। બૈકો સભૈપર ટકા નૈ દેતૈ।

(દુનૂકેઁ આઁખિ મિલિત અછિ આ દુનૂ હઁસએ લગૈત અછિ।)

કટ ટૂ।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका **'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)** मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बारहम दृश्य-

समय- दिन
स्थान- नदीक कछेर

(विक्रम ओतए प्रतीक्षा करैत रहैत अछि। जेतए बनासासँ भेटबाक संभावना रहैत अछि। ऐ क्रममे आर सुनहट बाधमे ठाढ़ अछि। तखैन बनासाकेँ चचियाइत सुनैत अछि। विक्रम दौड़ कऽ ओतए पहुँचैत अछि तँ देखैए जे तीन-चारिटा बदमाश बनासाकेँ घसियबैत लेने जा रहल अछि। बनासा ओकरा सभसँ छुटबाक परियास कऽ रहल अछि। विक्रम ओइ दृश्यकेँ देखिते चचिया उठैत अछि।)

विक्रम- हे गै, ओकरा छोड़ि दिऔ की देखबौ।

बदमाश- ई केतएसँ आबि गेलै गै। मार सारकेँ।

(बदमाश आ विक्रमक बीच झगड़ा शुरू भऽ जाइत अछि। ढिशुम-ढुशुम सुनि खेतमे काज करैत जन-मजूर सभ हँसुआ आ लाठी लऽ कऽ दौड़ैत अछि। लोकक संख्या देखि कऽ बदमाश सभ भागि जाइत अछि। विक्रमक संगे बनासा घर दिसि विदा भऽ जाइत अछि।)

कट टू।



तेसरम दृश्य-

समय- दिन
स्थान- विक्रमक घर

(डेढ़ियापर ठाढ़ भऽ कऽ टहलू हल्ला करैत अछि।)

टहलू- (चकोना होइत) केकरो नै देखै छियै। आँगनामे कियो छी कि नै यौ?

विक्रमक माए- (आँगनासँ हुलकी दैत) टहलू बौआ छी। आँगना चलि आउ। बहुत दिनक बाद देखलौं।

टहलू- हँ, हम त' टहलैते रहै छी। से आइ टहैलत काल बड़ड अजगुत देखलौं।

विक्रमक माए- की देखलियै?

टहलू- देखलौं, अहाँक बेटा गुण्डा-बदमाश सभसँ लड़ैत छल। सेहो एकटा लड़की लेल।

विक्रमक माए- (आश्चर्यसँ) आँए!

टहलू- हूऽ छियै की साँच। अपना बेटेसँ पूछि लेबै। हम जाइ छी।
(विदा होइत अछि।)

कट टू।

  ISSN 2229-547X VIDEHA

પનાહમ દૃશ્ય-

સમય- દિન
સ્થાન- વ઼િક્રમક ઘર

(વ઼િક્રમક માએ અઁગના વહારિ રહલ અછિ। વ઼િક્રમ અઁગના પહુઁચતિ માએસઁ કહૈત અછિ।)

વ઼િક્રમ- આઇ કની વેસી દેરી ભ ગેલૈ માએ।

વ઼િક્રમક માએ- રાહ-વાટમે ગુણ્ડા-અવારાસઁ ઝગડ઼ા કરવીહિ તઁ દેરી લાગતૌ ને। પ્યારક લેલ અનેક જોગાડ઼ નૈ છૌ। જિનિગી કેના સુચારૌ તરહેં સોચવેં આકિહિનો વનલ ઘુમૈ છેં।

વ઼િક્રમ- હમરો ગપ્પ સુનવીહિ તવ ને માએ।

વ઼િક્રમક માએ- સુનવે કી। ઉ સભ વડ઼કા પુનિયાઁ છથિ। ઓકરાસઁ ઝગડ઼વે તઁ જિનિગી વેરવાદ કઽ દેતૌ। કેતે ગોટેકેં મારિ કઽ થારમે જઁસા દેને છૈ।

વ઼િક્રમ- માએ, તોહિ તઁ કહને રહી જે કેકરોપર અત્યાચાર હોઇત રહે તઁ ચુપ નૈ રહવાક ચાહી। એકટા લડ઼કીકેં સંગે ઉ સભ જવરદસ્તી કરૈ છેલૈ તઁ હમ ચુપ ભઽ કઽ દેખૈત રહિતૌ। સે તોરા નીક લાગિતૌ?

(વ઼િક્રમક માએ સોચમે ડુમિ જાઇત અછિ।)

વ઼િક્રમક માએ- નીક તઁ નૈ લાગતિ। મુદા ઓ સભ પૈસાવલા લોક છૈ। પુલિસ આ કાનૂન ઓકરા મુટ્ઠીમે છૈ। ઓકરાસઁ કે લડ઼તૈ?

વ઼િક્રમ- હમ લડ઼વૈ માએ હમ। હમ અપને વનવૈ પુલિસવલા। સભકેં સોઇ કઽ દેવૈ। રસ્તાપર લવૈલ ચાહે જે કરાએ પડ઼એ।

કટ ટૂ।

સોઙહ્મ દ઼ૃશ્ય--

સમય- દિન
સ્થાન- સુરદયનક ઘર

સુરદયન- મુંશીજી, સુનૈ છી, કનિપઉવાક વેટા કહૈ છઉ જે હમ કરાજા આપસ નૈ કરવૈ।

મુંશી- ૩ કહૈ છૈ જે હમનાપન વેસી સુરદ જોડ઼ દૈને છી।

સુરદયન- તેકર મતઉવ, હમના વેરમાન વનવર ચાહૈ છૈ।

મુંશી- એના કરતૈ નઁ દેખ્યા-દેખી સમાજક આનૌ ઉક઼।

સુરદયન- કેકના સમાજમે હિમ્મત છૈ જે હમનાસઁ ટકના જાણ। હનિયાકેં કહિ દિયૌ કનિપઉવા વેટાકેં યાના સિટકા ઉગા દૈ। આકર ઉવરાપની વન્ન મs જૈતૈ। આ નૈ સુયનૈ તઁ નાશ્ર-સાશ્ર। (હાથસઁ રશાના કરૈત અછિ।)

કટ ટૂ।

સાતહમ દૃશ્ય-

સમય- દિન સ્થાન- શ્યામબાબૂક ઘર

(બનસા ચુપ્પી સાધને બૈસલ અછિ। શ્યામબાબૂ ગહીર નજૈરસઁ બેટી દિસિ દેખિ રહલ અછિ।)

શ્યામબાબૂ- બનસા, તોરા કછિો હોર્ છૌ, આકિ કોર્ કછુિ કહલકૌ?
(બનસા કછુિ ને બજૈત અછિ।)

શ્યામબાબૂ- તોહર માએ તઁ બચપનેમે મરિ ગેલૌ। કેકરા કહબીહી। કછુિ બાત છૈ તઁ હમરે કહએ પડ઼તૌ।
(બનસાક આઁખિસઁ દહો-બહો નોર ખસએ લગૈત અછિ।)

શ્યામબાબૂ- કી ભેલૌ તોરા? બજબીહી તબ ને।
(બનસા આઁખિ પોછૈત અછિ।)

બનસા- પઢ઼િ કઽ અબૈકાલ બાધમે ગુમ્મ્ડા-છૌડ઼ા સભ ઘેર લેલે છલ। ઘસિયિા કઽ લેલે જાઇત છલ। ખેતસઁ જન સભ આ આ દૌગલ, તૈ તઁ।
(જોર કાનએ લગૈત અછિ।)

શ્યામબાબૂ- તબ તઁ કેતે ગોટેક બુઝને હેતૌ। ચિન્હને હેતૌ। આર્ હમ ઓકરા બાપસઁ ભેંટ કરા દેબૈ।
(તમસા કઽ ચલ પિડ઼ૈત અછિ।)

બનસા- (પાછૂસઁ હલ્લા કરૈત અછિ।) બાબૂજીઽઽઽ

ક્રમશ:



અઙાનહ્મ દ્ૃશ્ય--

સમય- દનિ
સ્થાન- ગામક ઙગા

(શ્યામવાવૂ ળા નહ્ઉ અછા આગૂસઁ અવૈત સુરદયન ઓકના ટોકૈ છૈ।)

સુરદયન- યૌ શ્યામવાવૂ, ઉદાસ છી। કી વાત? કછુિ ભેઉ કી?

શ્યામવાવૂ- કી કહ્વા આ કેના કહ્વ?

સુરદયન- હ્મ તઁ અહાઁક હતિ છી। હ્મના ઉગા નૈ વાળવ તઁ સ્કેનૃ।

શ્યામવાવૂ- હ્મન વેટી પઢ઼િ ક઼િ અવૈત નહ્ય સે વાટમે઼।
(શ્યામવાવૂ નળદીક આવિ કાનમે સુરદયનકૈં સનટા ગપ કહૈત અછા।)

સુરદયન- ઈ ગપ દોસનડામ નૈ વળવા ઐસઁ અહીક રળ્ળત ઉઘાન હ્યત। વુહ્ઊૈ કનિ।

શ્યામવાવૂ- તવ એકન નદિાન કેના હેતૈ?

સુરદયન- યુના તેકન યનિ્તા નૈ કનૂ। અરઉ તઁ હ્મન વેટા હ્નાયિા કાસ્થી છૈ। સ્ઠોનસઁ સન ગપ કહ દિર છાિ। અહઁ ળાઉ।
(સુરદયન સ્ઠોનસઁ ગપ કનય ઉગૈત અછા શ્યામવાવૂ યઉ પિઉૈત અછા।)

કટ ટૂ।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ઉન્નૈસમ દૃશ્ય-

સમય- દિન
સ્થાન- નદીક કિનાર

(ઘોડ઼સવાર તેજીસઁ આબિ રહલ અછિ। ઓકર ઓનક ઘામ્ટી વજૈત અછિ। એકાએક ઘોડ઼ા રોકૈક પરિયાસ કરૈત અછિ। ગતિક કારણે ઘોડ઼ા નચૈત અઁડ઼ કઽ ઠાઢ઼ ભઽ જાઇત અછિ। ઓનપર ગપ કરૈત-કરૈત ઓ ફ્લૈશ વૈકમે ચલિ જાઇત અછિ।)

કટ ટૂ।

દૃશ્ય પરિવર્તન ફ્લૈશ વૈક
સ્થાન- સડ઼ક
સમય દિન

(શ્યામબાબૂ અપના બેટીક સંગે શહરસઁ આપસ આબિ રહલ અછિ। બજારસઁ કીનલ વસ્તુ સભ હાથમે લટકૌને અછિ। આગૂમે હરિયાકેઁ દેખિ ઠાઢ઼ હોઇત અછિ। હરિયા ઠાઢ઼ ભઽ જાઇત અછિ।)

શ્યામબાબૂ- કી યૌ બૌઆ, અહાઁક બાબૂજી કુશલ છૈથ ને?

હરિયા- હઁ-હઁ ઠીકે છૈથ। (હરિયાક નજૈર વરસાપર પડ઼ૈત અછિ। વરસા નજૈર ચુકા કઽ આગૂ વઢ઼િ જાઇત અછિ।)

શ્યામબાબૂ- અચ્છા-અચ્છા, પરસૂ અબૈ છી તઁ ભેંટ કરબૈન।
(કહૈત ચલિ પડ઼ૈત અછિ।)

કટ ટૂ।
ફ્લૈશ વૈક સમાપ્ત।

દૃશ્ય પરિવર્તન

હરિયા- ચલિ ગેલી, વડ઼ લડ઼કી છી।
(હરિયા ઓન જીવીમે રખૈત અછિ। સનિકેં હટકૈત અછિ આ તેજીસઁ ઘોડ઼ાકેં આગૂ વઢ઼ા દૈત અછિ।)

કટ ટૂ।

વીસમ દ્ૃશ્ય-

સમય- ગાતિ સ્થાન- નદ્ળિળ

(હનિયા અપના સંગી વદમાશ ઉગ પહુઁચૈત અછિ વદમાશ સભ આપસમે ખુસનાહૈટ કનએ ઉગૈત અછિ)

હનિયા- હે ગૌ, તૂઁ સભ આર કોનો ઉડ઼કીકેં ઘેનને નહિ।

(સભ ચુપ્પી સાધિ ઉત અછિ) વઝૈ છી કહિ નૈ ગૌ। હમન તામસ નૈ દેખને છી। સાઁચ વળ નૈ તઁ કાન-કપાન ઢાહિ દેવૌ।

વદમાશ એક- હળૂન, અહાઁ તામસકેં નોકૂ। અહાઁ વિ઼ુ પુછને ૬ ગઉતી મઽ ગેઉ।

હનિયા- હઁ-હઁ વાળ નૈ। કી ગઉતી?

(વદમાશ એક ઉગમે આવિ કાનમે સભટા વાત કહૈત અછિ)

વદમાશ દૂ- હળૂન, આગૂક ઉઉ આદેશ દિયૌ।

હનિયા- ઓર ઉડ઼કીક સંગ દોવાના ગઉત વેવહાન નૈ હેવાક ચાહી। ઓ ઉડ઼કી અપને ળાતિ અછિ ઓકના વાપક સંગે હમના પિતાળીક પુનાન સમ્વન્ધ છૈ।

મુડ઼ી ડોઉવૈત) હઁ એકટા વાતક પતા ઉગા ળે ઓર ઉડ઼કીક સંગે ઉડ઼કા કે છૈઉ।

(હનિયા તેળીસઁ પ્નસ્થાન કનૈત અછિ)

કટ ટૂ



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

एकैसम दृश्य-

समय- दिन
स्थान- श्यामबाबूक घर

(श्यामबाबू अपना दुआरपर बैसल छथि। हरिया पहुँचैत अछि।)

श्यमाबाबू- आउ बौआ, कहू महाजनक समाचार? ठीक छथि ने?

हरिया- हँ-हँ ठीके छथि।

श्यामबाबू- बनसा बेटीऽऽऽ

बनसा- (भीतरसँ बजैत अछि) हँ, बाबूजी।

श्यामबाबू- चाह नेने अबिहेँ।

हरिया- हमरा बाबूजी भेजने छथि।

श्यामबाबू- हँ-हँ कहू की बात?

हरिया- बड़ह, करजाक सम्बन्धमे। अहाँसँ भेँट करए चाहै छथि।

श्यामबाबू- देखियौ ने, चिया-पुता सभकेँ पढ़बै छी। ओहो सभ नूपैआ नै देने अछि। सभटा असूल कऽ नेने अबै छी। आ भेँटो हेतौ।
(श्यामबाबू आँगन दिस जाइ छथि तावत बनसा चाह नेने आबि जाइत अछि।)

हरिया- एकटक बनसा दिस ताकि रहल अछि। बनसा लजैत हुकौने चाह हरिया दिस बढ़बैत अछि। हरिया चाहक कप तेना कऽ पकड़ैत अछि जे चाह हरा जाइत अछि। तखैने श्यामबाबू पुनः आपस आबि जाइ छथि। बनसा तमसा कऽ आँगन चलि जाइत अछि।)

कट टू।

बारहम दृश्य-

समय- दिन
स्थान- निर्जन बाट

(बरसा एकटक बौआसँ पुकारा जा रहल अछि। हरियाकेँ बौआ ओकरापर चल जाइत अछि किन्तु बरसाकेँ ई बातक पता नै चलैत अछि। हरिया चोरा कऽ ओकरा पाछू-पाछू जा रहल अछि।)

कट टू।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

दृश्य परिवर्तन-
समय- साँझ
स्थान- बाध

(बरसाकेँ ओतए पहुँचिते विक्रम प्रेमसँ निहारैत अछि।)

विक्रम- अहाँ, बहुत काल धरि प्रतीक्षा करबौलौं।

बरसा- की करबै। लोकसँ नुकाति रहै छै। कहुना नुकाइत-छिपाइत एलौं।

विक्रम- ऐठाम रस्ता छै। चलू नदीक कछेरपर। निश्चिन्त भऽ कऽ गप करब।
(दुनू गोटे चलि पड़ैत अछि।)

कट टू।

दृश्य परिवर्तन-

दुनू एक-दोसराक हाथ पकड़ने खुशीक गीत गाबि रहल अछि। झोंझमे छपिल हरिया देखि रहल अछि।)

कट टू।

 

तेरहम दृश्य-

समय- साँझ
स्थान- बगिया

(हरियाक मुँहपर घृणाक भाव अछि। दारूक बोतल मुँहसँ लगौने अछि। ढेर जोरसँ ढेक दैत अछि।)

हरिया- (क्रोधमे) सार, हिरोपनी करैत अछि। हमरा सोहहामे। हमरा चिन्हने नै अछि। जानकि उड़कीक संगे। आइए तोरा मुरुखा बापसँ भेँट करा देबौ।
(बोतलकेँ टाँगसँ ठेकर मारैत अछि आ तेजीसँ घोड़ापर चैढ़ चलि दैत अछि।)

कट टू।

યૌવીસમ દૃશ્ય-

સમય- સાઁઝ
સ્થાન- વક્નિમક ઘર

(વક્નિમક માય ઘર-અઁગનાક કાળ કઽ રહલ અછિ। હનિયા અપના તીન-ચારિ સાથીક સંગે પહુઁચૈત અછિ। ઘોડ઼સવાર સભકેં દેખિતિ બુઢ઼િયા જ઼મીન ધઽ લૈત અછિ।)

હનિયા- ગે બુઢ઼િયાઽઽઽઽ તોહર બેટા બકિરમા કહાઁ છૌ?

વક્નિમક માય- હૌ બાબૂ હમરા નૈ બૂઝલ અછિ કી જેઇ સે?

હનિયા- સાઁપકેં પોસને છી આ પુછૈ છી કી જેઇ। નહિઓ અઁગનાસઁ આરિ હડ્ડી તોડ઼ દિઐ સારકેં।

વક્નિમક માય- યૌ બાબૂ મુઁહ સમ્હારિ કઽ ગપ કરૂ હમર બેટા પઢ઼ૈ છૈ। કોનો ઉચ્ચા-ઇશ્કર નૈ અછિ।

હનિયા- ઇશ્કર નૈ છૌ તઁ છૌડ઼ીક સંગે રસલીલા કરિ કેને ઘુમૈ છૌ।

વક્નિમક માય- હમરા બેટાપર ઝૂઠ-મૂઠક દોષ નૈ લગાઉ નૈ તઁ ઠીક નૈ હએત।

હનિયા- (કોડ઼ા દેખબૈત) દેખૈ છીહી કોડ઼ા। હરામજાદી પીઠ પરહક ખાલ ખીચ લેબૌ। નૈ તઁ બેટાકેં સમ્હારિ લે। (હનિયાક એકટા સંગી અઁગનાસઁ તાકિ કઽ બહાર નિકલૈત અછિ।)

સંગી- અઁગનામે નૈ છૈ બકિરમા।

હનિયા- સુનિ લે બુઢ઼િયા। બેટા જઁ રસ્તાપર નૈ એતૌ તઁ કાટિ કઽ ધારમે ભઁસા દેબૌ।
(ઘોડ઼ાપર ચઢ઼ સભ તીવ્ર ગતિસઁ ચલિ પડ઼ૈત અછિ।)

પચીસમ દ્ૃશ્ય-

સ્થાન- સુરદયનક ઘર

(હનિયિા શનાવ પી નહ૭ અછિ। સુરદયન આ મુંશી ળીકેં અવૈત દેપ્પિવોત૭ સેક ક઼ યઌ પિડૈએ।)

સુરદયન- મુંશીળી, હનિયિા કિએક તમસાએ૭ છૈ? ગાઁળાક વળિનીશમે ઘાટા ૭ગૈ કી?

મુંશી- નૈ વુદ્ધ૭િ માલિક। શ્યામવાવૂક વેટી છૈ ને વનસા। ઓકના અપન હનીવાવૂ પસનિ ક઼ ઉ૭કૈ। ઓકનેસઁ વિઆહ કનવાક મન વના ઉેને છૈ।

સુરદયન- વાહ। કાવિ૭ અછિ। અસ૭મે વેટા તઁ હમને છિ। પૈઘ હાથ માન૭ક। સોચૈ છેઌી ઓકન ળમીન કનળા તનમે ૭પ્પિવૈ। આવ તઁ દહેળમે સમટા આવિ ળૈત।

મુંશી- સે તઁ શ્યામવાવૂકેં સન્તાનક નામપન વએહ વેટી માત્ન છૈ। કિન્તુ।

સુરદયન- દિક્કત કી છૈ ળે કિન્તુ ૭ગૌને છી?

મુંશી- માલિક! એકટા પઢુઆ છૌડ઼ા છૈ વિકિનમ। સુનૈ છી ળે ઓર ૭ડ઼કીસઁ મે૭-ળો૭ છૈ। દેની કનવૈ તઁ હાથસઁ સવ કુછૌ નિકૈ૭ ળાએત।

સુરદયન- મુંશીળી। હમના ળા૭સઁ નિકિ૭નાર એતે અસાન છૈ કી। યઌ અપ્પને દેપ્પૈ છિએ।
(દુનૂ યઌ પિડૈત અછિ।)

કટ ટૂ।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छबीसम दृश्य-

स्थान- श्यामबाबूक घर
समय- दिन

(श्यामबाबू, सुरदयन आ मुंशीक संगे बैसल अछि।)

सुरदयन- अहीं कहू श्यामजी, जे ओइ दिनसँ अहाँ बेटी दिस कोनो गुण्डा-बदमाश तकबो करैए?

श्यामबाबू- से तँ अही सबहक छत्र-छायामे ने हमरा सभ सुरक्षित छी।

सुरदयन- ध्यानसँ सुनि लिअ। अहां बेटीकेँ हम अपन पुतोहु मानि लेने छी। आ हम बुझैत छी जे अहाँ हमरा गप्पकेँ सहर्ष स्वीकार करबे करब।

श्यामबाबू- कनी बेटीसँ।
(सुरदयन चुप रहबाक इशारा करैत अछि।)

सुरदयन- अहाँ चुप रहू। अहांपर करजो तँ बहुत भऽ गेल छै। सबटा प्रेम बखिया जाएत, तैयो नै सहत।

मुंशी- मालिक अहाँ कथी बजै छी। आब तँ हिनक प्रेम-पथार बेटीए-जमाएक हेतै।

सुरदयन- से तँ हम बुझैत छी। हम तँ ई कहैले एलौं, जे कोइ हमरा पुतोहु दिस अपना नजैरसँ तकतै तँ हम ओकर आँखि खोइंस देबै। बुझलौं। चलू मुंशीजी।
(सुरदयन, मुंशी चलि पड़ैत अछि।)

कट टू।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

સત્ાારસમ દ્ૃશ્ય-

સમય- દિ્ન
સ્થાન- શ્યામવાવૂક ઘર

(શ્યામવાવૂ વૈસલ અછિ। વનસા ઠાઢ઼ અછિ।)

શ્યામવાવૂ- (તમસાશ્ત) અોર ટોલક વક્તિનમક સંગ પોક મેલ-જોલ કપિક નપ્પને છી? તોના પતા છૌ- લોક સભ કેહેન-કેહેન અશ્ક્ષવાહ ૩ડ઼ા નહલ છૈ।

વનસા- (મુડ઼ી ગોતને) વાવૂજી અો નીક લોક છૈ। અોર દિન અોકને કાનામે હમન રજ્જત આ જાન વૅચલ।

શ્યામવાવૂ- તૂઁ મ્નમને છૈં। સભ સુરદયન વાવૂક ક્ૃપા છેલૈ।

વનસા- તપ્પૈન તૅ વ઼પહ માનયિો પ્પા ક઼ હમના વૅચૌલક। સમૈપન આન લોક સોહ્હ઼ા કહઁ આપલ।

શ્યામવાવૂ- મુઁહ લગલ નૈ વાજ। ઊ લડ઼કા હમના જાતયિો-વેનાદનીક તૅ નૈ છી। આ પને તોના વશ્વિાહક સભ ગપ્પ તૅર-તસશ્કયિા મ઼ ગેલ છી।
(વનસા તમસા ક઼ જા નહલ અછિ।)
સુનિ્ ઊ, આવ તૂઁ ઘન-અઁગાનાસઁ વાહન નૈ નકિૈલ સકૈ છૈં।
(હ્ટૈક ક઼ વદિા મ઼ જાશ્ય વનસા।)

કટ ટૂ।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

અટ્ઠારહમ દ઼ૃશ્ય-

સ્થાન- વ઼િક્રમક ઘર
સમય- દિન

(વ઼િક્રમક માય ઘાડ઼ પસૌને બૈસલ અછિ। વ઼િક્રમ પ્રસન્ન મુદ્રામે પહુઁચૈત અછિ।)

વ઼િક્રમ- માય, તૂઁ કથીક ચિન્તામે ડુમલ છેં?

વ઼િક્રમક માય- હમર ચિન્તા બુઝૈ ને છીહિ। સોચૈ છી જે તોરા નોકરી ભેટ જાઉ ત઼ હમરો જિનિગી સુફલ ભ઼ જાયત।

વ઼િક્રમ- આઇસઁ તોહર ચિન્તા ખતમ। (બેટર દેખબૈત) બેટર ભેટ ગેલ છૈ। આર સૌહુકા ગાડ઼ીસઁ હમ જા રહલ છિયૈ। સભ કછિ સૈત કિ઼ હોરામે દ઼ દહી।

વ઼િક્રમમ માય- આઁએ ઠીકે। (અચરજક ભાવ)

કટ ટૂ।



उनतीसम दृश्य-

समय- साँझ
स्थान- सड़क

(विक्रम टीसन दिसि बढ़ल जा रहल अछि। विचारमे डुमल अछि। आगूमे रघुआकेँ देखि बजबैत अछि।)

विक्रम- (स्वगत:) रमसाकेँ सभ गप्पक जानकारी दऽ देबाक चाही। (रघुआकेँ रोकैत अछि) यौ रघुजी, कनी रूकि जाउ। एगो हमर चिट्ठी लेने जाउ।

रघुआ- (रूकि कऽ) की यौ दरोगाजी, बनियेँ गेलिऐ अहाँ दरोगा। अच्छा जाउ, जाउ आ लाउ केकरा देबाक छै चिट्ठी?

विक्रम- हे लिअ। कोइ बुझहए नै। चुपेचाप रमसाकेँ हाथमे दऽ देबै।

रघुआ- अहाँ निचिन रहू। कोइ नै बुझतै। मुदा घूस दिअ पड़त।
(दुनू हँसैत अछि।)

कट टू।


 ISSN 2229-547X VIDEHA

तेसर दृश्य-

समय- साँझ
स्थान- श्यामबाबूक घर

(आस-पड़ोसक औरतिया सभ आँगनामे जमा अछि। विआहसँ पूर्वक विधि-व्यवहार भऽ रहल अछि। पुरुष सभ बरियातीक प्रतीक्षा कऽ रहल अछि। रघुआ कोनटा लगसँ बरसाकेँ इशारा करैत अछि। बरसाकेँ लगमे पहुँचिते चट्टिदे ओकरा हाथमे पकड़ा दैत अछि।)

कट टू।

 ISSN 2229-547X VIDEHA

एकतीसम दृश्य-

(विक्रम ट्रेनपर चढ़ैत अछि आ गाड़ी धुआ छोड़ैत अछि। चलैत गाड़ीक पाछूमे बनसा देखा रहल अछि। बनसाक पाछूसँ एकटा घोड़ सवार खेहाड़ने जा रहल अछि।)

कट टू।

मध्यान्तर

बत्तीसम दृश्य-

समय- राति
स्थान- श्यामबाबूक घर

(श्यामबाबू उदास भऽ बैसल छैथ। घरक समान सभ अस्त-ब्यस्त अछि। एकटा घोड़ सवार अबैत अछि। श्यामबाबू मुड़ी उठा कऽ ओकरा दिस तकै छैथ।)

श्यामबाबू- हमरा बेटीक कोनो पता लागल?

घोड़ सवार- टीसनक चारूभर आ दूर-दूर धरि तकलौं, पता नै, गाड़ीपर चैढ़ गेल आकि केतौ नुका रहल, अन्हारमे। मुदा चिन्ता नै करू। हमर संगी सभ ताकिये रहल अछि। भेटतै केतए।)
(घोड़ सवार चलि दैत अछि।)

कट टू।



तेतीसम दृश्य-

समय- भोर

स्थान- श्यामबाबूक घर

(श्यामबाबू स्नानक उपरान्त सुरूजकेँ नमस्कार करै छैथ।)

श्यामबाबू- (सुरूज दिस तकैत) हे सुरूज महराज! पता नै, दोख हमर अछि आकि हमरा बेटीक। केतए रहै आ केहेन हाथमे रहै। हम ओकर बाप छियै। चिन्ता तँ हमरे रहै। समाज तँ हँसि रहल छै। आर ओकर माए रहितै तँ ई दशा नै होइतै। पता नै, बापकेँ जे करबाक चाही से हम करि रहल छी आकि नै। हे सुरूज महराज, ओकर रक्षा करबा ओह।

(आँखिसँ नोर बहरा जाइ छै।)

कट टू।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका **'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)** **मानुषीमिह संस्कृताम्** ISSN 2229-547X VIDEHA

ચૌતીસમ દ઼ૃશ્ય-

સમય- દનિ

સ્થાન- સુરદયનક ઘર

(સુરદયન શ્રા મુંશીળી વૈસ૭ શ્રછિ।)

મુંશીળી- માળકિ! કેતેક દનિ વીતિ ગેળ। મુદા શ્રપ્પની ૧ક શ્યામક વેટીક કોનો પતા નૈ ળાગળ। ળૌ છ૭- ળે છુચ્છે શ્રેદા હ૯ત ઉકનિ઼।

સુરદયન- ઉકનિ કી ળાવૈ છી। સુરદપ્પોનકેઁ કહિયો ઘાટા ળૌ છૈ। હમન વેટા કચ્યા પ્પેળાડ઼ી નૈ છૈ। ળડ઼કી કેતૌ નુકાએળ હેતૌ શ્રો પ્પોળિ કિડ નિકાળિ ળેતૌ। સેન હમ ળે યાહવૈ સ૯હ હેતૌ।

ફટ ટૂ।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

પૈતીસમ દૃશ્ય-

સમય- દિન

(હનિયિા અપના કોઠીમે દાનૂ પીવ નહઉ અછિ વોાનઉ પ્યાઉ કઽ હુમૈન-હામૈન વાહ્ન નકિઉન અછિ આ ઘોડાપર પૈઢ યર્ણ દૈન અછિ)

કટ ટૂ।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छत्तीसम दृश्य-

स्थान- बाधक निर्जन माग।
समय- दिन

(हरिया घोड़ापर सँ उतरैत अछि। कातक गाछ तरमे ओकर प्रेमिका शुलिया ठाढ़ अछि। दुनूक बीच प्रेमसँ मीजल गप-सप्प होइत अछि, दुनूमे प्रेमालप।)

शुलिया- एकटा गप्प तँ अहाँकेँ नै कहलौं।

हरिया- कोन गप्प?

शुलिया- हम तँ अहाँ बच्चाक माए बनैवाली छी।

हरिया- धुर, ऐ झंझटकेँ हटाउ। खसा लिअ।

शुलिया- एना कही होइ छै। अहाँ बाप बनैबला छी। (पेट देखि इशारा करैत) ई अहींक बच्चा छी।

हरिया- एनामे तँ हम केतेक धिया-पुताक बाप बनि जेबै, आ केतेक लड़कीक पति।

शुलिया- तकर मतलब।

हरिया- (क्रोधमे) मतलब कहिओ नै। गर्भपात करबा लिअ। खर्च हम देबै।

शुलिया- हम से नै करब।

हरिया- (क्रोधमे) केतौ कहिओ बजबैं वा हमरा लग एबही तँ पराण खैंच लेबौ। तोरा हमरा बीच सभ बात खतम। (घोड़ापर चढ़ि सक्रोध प्रस्थान।)

कट टू।



ISSN 2229-547X VIDEHA

સૈંતીસમ દ્ૃશ્ય--

સમય- દિન
સ્થાન- શ્રુઉયિાક ઘર

(શ્રુઉયિાક માએ ચનકી અપના યયિા-પુતકા પ્યાસ્ક પનૈસ નહઊ અછિ। યયિા-પુતા મ્રાત મંગૈત અછિ।)

ચનકી- (કનછુઉ થાનીમે પટકૈત) ઊ, થાનયિો-વનાતન પ્યા ઊ।
(તપ્પૈને શ્રુઉયિાક વાપ ઙોઉના નશિાઁમે ઙુમૈત પહુઁચૈત અછિ।)

ઙોઉના- શ્રુઉયિાક માએઽઽઽ એકો ઊવનીક દામ ઊવહ। કંઠ સુપ્પા ગેઊ। હે તોના નીક નૈ હેતહ। એકો યુનૂક દામ નકિાઊહ।
(ચનકી પૈસા નાપ્પએવઊ ગુઊકકેં શ્રોડ઼ૈત અછિ, શ્રા સમટા પૈસા તામસે છડ઼િયિા દૈત અછિ।)

ચનકી- ઊ સમટા પૈસા ઊ। નૈ હોર છૌ તઁ યયિો-પુતાકેં નકત પી ઊ।
(તામસે ચનકી યયિા-પુતાકેં થોપનાવએ ઊગૈત અછિ। તપ્પૈને શ્રુઉયિા પહુઁચૈએ શ્રા કોનમે વૈસ કઽ કાનએ ઊગૈએ।)

ચનકી- તોના કી ભેઊ ગાર?

શ્રુઉયિા- માએ ગાર માએ, તોહન રળ઼ળ઼ત।
(કાનએ ઊગૈએ)

ચનકી- હમના રળ઼ળ઼તકેં કી ભેઊ ગાર?

શ્રુઉયિા- સુરદપ્પોનવાક વેટા રળ઼ળ઼ત પ્પનાપ કઽ દેઊકૌ ગાર। હમના પેટમે શ્રોકના।
(કાનએ ઊગૈત અછિ।)

ચનકી- હમન રળ઼ળ઼ત પ્પનાપ કનાત શ્રનળ઼ળુશ્રા ળ઼નમઊ શ્રોકના તઁ હમ।

શ્રુઉયિા- કહને નહૈ ળ઼ે વશ્રિાહ કનવો, તોના સંગે।

ચનકી- શ્રોર કોઢ઼સ્થિટ્ટાકેં વશ્રિાહ કનએ પડ઼તૈ। યઊ દેપ્પૈ છિએ કેના નૈ વશ્રિાહ કનતૈ ઊ। નૈ કનતૈ તઁ સૌસે સમાળ઼મે ઢોઊ પીટ દેવૈ। કાનપ્પિ-ચુન ઊગા દેવૈ। ઘનિા કઽ નપ્પા દિવૈ- શ્રાર સમ ગોને યઊ કહિ દિહી સમકેં।
(એકે સંગ સમ યઊ દૈત અછિ।)



फेटै छै।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

અનીસમ દૃશ્ય-

સમય- દિન
સ્થાન- સુરદયનક ઘર

(સુરદયન આ મુંશી દલાનપર વૈસલ અછિ। એક હેળ લોક અવૈત અછિ। ઓરમે સુલયિા ઓકર માએ-વાપ આ ઓર ટોલક આનો-આન લોક સભ અછિ। સભ તામસે ગાર-વાત દ઼ રહલ અછિ, મુંશી પુછૈ છૈ।)

મુંશી- કી વાત છયિ? અહાઁ સભ કેકરા ગરયિા રહલ છયિ?

સુરદયન- સાર સભ નશિાઁ પીને અછિ। વતાહ ભ઼ ગેલ છૈ સભટા। પતા છૌ જે કેકરા દુઆર પર છી।

મુંશીળી- હે રૌ ભાગ જો તોરા સભ। તમસેતૌ તઁ માલકિ ગોલી મારિ દેતૌ।
(સુલયિાક માએ ચનકી કરયિા પ્યાપૈડ઼ નેને આગૂ અવૈત અછિ।)

ચનકી- દેખૈ છૌ પ્યાપડ઼િ માએક દૂધ પીને છૌ તઁ સામનેમે ચલિ આ। આર ચારિ ગોકિ દેવૌ।

સુરદયન- રે સોર પાર તઁ પ્યલિશકેઁ। લ લઠિ, ચુતર તોડ઼િ દેવૈ।
(લઠિ હાથમે લેને આગૂ વઢૈત અછિ। ચનકી પ્યાપૈડ઼ ચેકૈત અછિ। સુરદયનક કપારપર પ્યાપૈડ઼ લગૈત અછિ અછિ સ્ફૂટિ જાઇત અછિ। કપાર પકૈડ઼ વૈસ જાઇત અછિ।)

મુંશીળી- માલકિ જાન વઁચાઉ।

સુરદયન- રે વહીચો, કોનેસઁ વજર પ્યસલૌ રે।

મુંશી- સુરદવલા છી।

ચનકી- (ગરજૈત) ઘરઢુક્કાક વાપ। અસલી વજર તઁ આવ ગિરિતૌ। કહાઁ છૌ વેટા? કરા વિઆહ।

સુરદયન- વિઆહ? હમરાસઁ?

મુંશીળી- માલકિ! અહાસઁ નૈ। અહાઁક વેટાસઁ વિઆહ કરૌત।
(ભીડ઼મે શ્યામવાવૂ ઠાઢ઼ ભ઼ કઽ સભ કછિુ દેખિ સુનિ રહલ અછિ।)

સુરદયન- કી વાત ભેલૈ રૌ?


 ISSN 2229-547X VIDEHA

(एक गोटे आगू बढ़ि सभ गप्प सुरदयनक कानमे कहैत अछि। माथापर चोट मारैत श्यामसु प्रस्थान करैत अछि। किछु लोक हल्ला केनिहारकेँ शान्त कऽ रहल अछि।)

कट टू।

ઉનચાલિસમ દૃશ્ય-

સ્થાન- ગામક ચૌક।
સમય- દિન।
(શ્યામબાબૂ સાઇકિલસઁ ઉતરૈત અછિ।)

શ્યામબાબૂ- (પસેના પોછૈત) હમહૂઁ તઁ ઓહિ જાતિકે છી। મુદા એક ગલતિ ભેલ। સુઇદખોર એહનો હોઇ છૈ। કેહેન પાપ કેલૌં હમ। કેના કટત ઈ પાપ?
(પશ્ચાતાપ કરૈત આગૂ બઢૈત અછિ।)

કટ ટૂ।

चारिम दृश्य-

समय- राति
स्थान- बुधियाक घर।

(बुधियाक माए चनकी आ बाप झोलना चिया-पुताक संग सूतल अछि। कियो खट-खटाइत अछि। संगे बिलाइक 'म्याँउ म्याँउ' सुनाइत अछि। चनकी धड़फड़ा कऽ उठैत अछि आ घर खोलि बहरा निकलैत अछि। ओसारपर ओकर बेटी बुधिया गरदैनमे जौड़ी बान्हि लटकल अछि। ओ मरि गेल अछि। बुधिया केँ कहारि किटैत कानए लगैत अछि। आस-परोसक लोक सभ जमा भऽ जाइत अछि।)

बेकती एक- की भेल छेलै जे बुधिया फाँसी लगा लेलकै। एकर मतलब तूँ गारि-बात देने रही?

चनकी- (कनैत) नै हओ बाबू। सभटा बात सुदखोरबा बेटाक कारनामे भेलै। ऊ हरिया हमरा बेटीक परान लऽ लेलक। ओकरा हम नै छोड़बै। भोरे बुधिया-दरोगासँ पकड़ा देबै।

बेकती एक- अच्छा चुप रह। विचार कर जे केना की करबैं।

(लोक सभ आपसी खुसराहैट शुरू कऽ दैत अछि।)

कट टू।

एकचालिसम दृश्य-

समय- राति।
स्थान- सुरदयनक घर।

(सुरदयनक घरमे सूतल अछि। दुआरिकेँ कियो खट-खटबैत अछि।)

सुरदयन- के छी यौ?

मुंशी- हम छी मालिक।

सुरदयन- एतेक रातिमे। की बात छै?

मुंशी- गुलम मरि गेलै मालिक।

सुरदयन- की भेलै? काल्हि तक ने।

मुंशी- सुनलियै। फाँसी लगा कऽ मरि गेलै। ओकर माए-बाप सभटा दोख अपना हमी बापूपर लगा रहल अछि। अड़ोसी-पड़ोसी सभ संग देने छै।

सुरदयन- (हड़बड़ाइत उठैत अछि। अटैचीसँ रुपैआ निकालैत अछि।)
यऽ मुंशीजी। कोनो उपाए तँ लगाबए पड़त।

कट टू।

बेआलिसम दृश्य-

समय- दिन।
स्थान- नदीक किनार।

(घोड़ापर सवार भऽ हरिया जा रहल अछि।)

हरिया- (स्वगत:) ईहो जमाना हटि गेल। ई छौड़िया काले छल। एकरा मनमासँ मन हटबाक भऽ गेल। एतए केतेक दिनसँ बरखाकेँ ताकि रहल छी। केतौ भेटियै ने रहल अछि। मुदा जाएत केतए।

(घोड़ाकेँ गोलीसँ दौगबैत अछि।)

फट टू।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

નૈનાબસિમ દૃશ્ય-

સમય- દિન।
સ્થાન- નદી।

(નાહ મઁહ્યાનમે યબ નહબ અછિ। નદીસઁ સમ્વન્ધિત સંગીક યબ નહબ અછિ। નાહપર બેકક વીય શ્યામ વાવૂ વૈસલ અછિ। ઉદાસ મુઁહ હાથમે હોના ટઁગને હાટસઁ આપસ આવિ નહબ અછિ।)

ફટ ટૂ।



पैंतालिसम दृश्य-

समय- दिन।
स्थान- सड़क।

(मोटर साइकिलसँ सुरदयन आ मुंशी जा रहल अछि। माल-जालक झुण्ड आगूमे आबि जाइत अछि। साइकिल रोकि झुण्डकेँ हाँकैत अछि फेर मोटर साइकिल आगू बढ़बैत अछि।)

कट टू।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

પૈnાઉસિમ દ઼ૃશ્ય-

સમય- દિનિ।

સ્થાન- શ્યામવાબૂક ઘર।

(શ્યામવાબૂ વૈસલ છૈથ। મુંશીક સંગે સુરદયન પહુઁચૈત અછિ। શ્યામવાબૂ સુરદયનકેઁ સુઆગત કરૈત વૈસવૈત અછિ।)

સુરદયન- દુખ ત઼ઁ હમરો અછિ। મુદા કી કરવૈ, કોનો ઉપૈયો ત઼ઁ નૈ અછિ। વચ્ચિાકેઁ ઘરસઁ નિકલલા કેતેક દિન ભ ગેલ। આખિર હમરો સભ ત઼ઁ નશિ઼તેદારે છી। દુખ ત઼ઁ હેવે ને કરતૈ। સમાજક લોક ત઼ઁ એહને તાકમે રહૈ છૈ। કટલાહાપર નૂન છિટલ તૈયાર। કેતેક ગોટે ત઼ઁ પુછવો કેલક જે આવ વચ્ચિાહક ગપ્પ કેના કી કરવૈ।

મુંશી- માલિક, એનાય કરિજોવલા ટકા હનિકાપર દૂ-અઢાઇ લાખક લાગત ભ ગેલૈ।

શ્યામવાબૂ- અઁય, એતેક ભ ગેલૈ। (આશ્ચર્ય ભાવે)

સુરદયન- યુગ઼ ઓકર યનિ઼ત। અહઁ નૈ કરુ। અહઁ ત઼ઁ અપન લોક છી। આવ દેખિયો ને, સમાજમે એહનો લોક છૈ જેકર સમૈપર મદતિ઼ો કેલિ઼ આ ઓ વેઇમાન વના દેલક। કી મુંશીજી?

મુંશી- હઁ માલિક, લોક ત઼ઁ સભિસ્થિ઼ લેનાઇ જાનૈ છૈ। યઊ।

(સુરદયન આ મુંશી વિદા હોઇત અછિ।)

કટ ટૂ।

छिआलिसम दृश्य-

समय- दिन।

(श्यामबाबू अपना बेटीकेँ गाम आ शहर सभ जगह, आ सभ रिश्तेदारक घर जा-जा ताकि रहल अछि। सम्बन्धित संगीत बजि रहल अछि। बरसा अपना मामीक घरमे नुकाएल अछि। श्यामबाबू ओतए पहुँचैत अछि तँ बरसाक मामी रुपिया झूठ बाजि दैत अछि।)

श्यामबाबू- बरसा एठाम आएल अछि?

मामी- रुपिया- हमरा भगिनीकेँ मारि-पीट कऽ भगा देलहि की? ओकरा ताकि कऽ लाउ नै तँ बुझि लिऔ। बेदर्दा कहीं कऽ।

(निराश भऽ श्यामबाबू आपस जा रहल अछि।)

कट टू।

સૈતાળિસમ દૃશ્ય-

સમય- ભોર।

સ્થાન- ગામ।

(વનસા અપના મામી નપ્પયિાક સંગે મન્દિર જા રહલ અછિ।)

નપ્પયિા- વનસા, કહી ઓ તોના વસિન ગઁ ને ગેળી?

વનસા- નૈ મામી, એના નૈ જાઽ સકૈ છૈ।

નપ્પયિા- કિએ નૈ જાઽ સકૈ છૈ?

વનસા- હમના ઓકનાપન પૂના વસિવાસ અછિ। એનએ દેવી માય છથનિ।

નપ્પયિા- ઠીકે છૈ। ચલ મન્દિર।

કટ ટૂ।

अन्तिम दृश्य-

स्थान- मन्दिर।
समय- भोर।

(बौआ मामीक संग मन्दिरक सीढ़ी चढ़ि रहल अछि।)

नायिका- बौआ, आब तोहर दुख हमरासँ देखल नै जाइत अछि।

बौआ- की भेल मामी?

नायिका- घरबर जा कऽ खोज-खबर लेबाक चाही। केतेक दिन भऽ गेलै। एतेक दिनसँ तूँ कनिया-सप्पत दऽ कऽ हमरा चुप रखने छेँ मुदा आब चुप नै रहबौ। तोरा बापक केहेन हालत भेल हेतौ। से पता नै। ओइ दिन तूँ बाट घुमा देने रहिए।

बौआ- नै मामी, किछु दिन आरो। समिस्थि किछु दिन।

नायिका- जेहेन तोरा उचित बुझाउ।
(दुनू गोटे आँखि मूनि देवीक समाने नतमस्तक भऽ जाइत अछि। घोड़ाक टाप-टप-टप सुन सुनाइ पड़ैत अछि। पहिने बौआक आँखि खुजैत अछि। घोड़ सवार देखा पड़ै छै। जे मन्दिर दिस बढ़ल आबि रहल अछि। बौआ अपना मामीकेँ हाथ पकड़ि घीचैत अछि।)

बौआ- मामी, एतएसँ आगू जल्दी।

नायिका- किए की बात छिऐ?

बौआ- ओतए देखियौ। भागू।
(ओगरीसँ इशारा करैत अछि। दुनू गोटे मन्दिरक पछुआर दिस भागि जाइत अछि। किछु पल बाद घोड़ सवार पुजेगरीक लग पहुँचैत अछि।)

घोड़ सवार- (कर्कश स्वरे) पुजेगरी हउ अखनी जे लड़की ऐठाम रहै। से के छिऐ? केतए रहै छै?

पुजेगरी- ओ सरकार।



घोड़ सवार- (डपटैत) ठीकसँ बता। नै तँ बूझबि।

पुजेगरी- ओ मनदेव आ रम्पियाक भगिनी छथि। पुबारिकात घर छै।

घोर सवार- (मुड़ी डोलबैत) अच्छा। बूझि गेलिऐ।

(घोड़ सवार आपस चलि दैत अछि।)

कट टू।

उनचासम दृश्य-

समय- दिन।
स्थान- बरसाक मामा-घर।

(घरसँ कनी दूर गाछ तर पंच सभ बैसल अछि। ओहिमे सुरदचन, मुंशी आ श्यामबाबू अछि। संगे ओकरा गामक जाति-परजातिक किछु लोक अछि। बरसाक मामा पंचक बीच ठाढ़ अछि आ मामी किछु दूर हटि कऽ औनातयिा सन लग ठाढ़ अछि। श्याम बाबूक चेहरापर बेबसीक भाव अछि। सुरदचन अपना लोकक संग ठाढ़ होइत अछि।)

सुरदचन- हँ, पंच लोकैन सुनू। ई लड़की हमरा जातिक अछि आ हमरा गामक अछि। हमरा बेटासँ एकर विआह होइबला छल। विआहक राति ई भागि गेल। कतेक दिनसँ तकैत-तकैत अपसियाँत भऽ गेल छेलौं। फेर, भेटि गेल। एकर बाप हमरा संगे अछि। विसवास नै होइत अछि तँ पूछि लिऔ। ई हमर होइबला पुतोहु अछि। लड़कीकेँ हमरा सबहक संग लगा दिऔ। एखनसँ लऽ कऽ अपना गाम जाएब।
(बरसाक मामा मनदेव चटदैन ठाढ़ होइत अछि।)

मनदेव- नै यौ, लड़की जाइले तैयार नै अछि। हम नै जाए देबै।

मुंशी- लड़की अपना बाप संगे कहिये नै जेतै। अहाँ रोकनिहार के? जखैन बापो तैयार छै।
(श्यामबाबू मुड़ी गोतने अछि।)

मनदेव- ओकर बाप की बजत। ओ अहाँक करजा खेने अछि। हमहूँ तँ मामा छी। हमरो अधिकार अछि।

पंच- अहाँ विआहक खरचा देबै? अहाँ बुते हएत विआह करबौल?

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका **'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)**  **मानुषीमिह संस्कृताम्** ISSN 2229-547X VIDEHA

मनदेव- हँ, हम धरना देबै।

(पंचक बीच हल्ला-फसाद शुरु भऽ गेलै।)

पंच प्रमुख- (हल्लाकेँ शान्त करैत) सुनू, ई हमरा सबहक मरजाद नै छी। ओतौका ग्रामीण एकर फैसला करत। ए बातक लेल हमरा गाममे झगड़ा-झंझट करए हएत। ई ओकरा गामक आ जातिक मरजाद अछि। ओकराकेँ बापक संग लगा दियौ। अपना गाममे जा कऽ फैसला कऽ लेत।

(कनी दूर हटि कऽ बरसा टाटक जूरसँ सभ कछि देखि-सुनि रहल अछि। पंचक निर्णय सुनि ओ खुश भऽ तेजीसँ भागि जाइत अछि।)

फट टू।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

दृश्य उनचासम-
समय- दिन।
स्थान- बरसा मामक दुआरि।

(बरसाक मामा आ मामी दुआरिपर ठाढ़ अछि।)

रधिया- आब की हेतै?

मनदेव- की करबै। हम अपना दिसिसँ त' लड़बे केलिऐ। बरसाक एहेन स्थिति नै छै। जे बापसँ लड़त। ओकर बाप किछु बजबे ने करै छै। विआहक बात जे भेल छै से लड़का जातिकि छिऐ। ज' बापक संग नै भेजबै त' ओइ गामक जाति आ समाज पकड़तै। कोनो बात ओहेन भऽ जेतै त' दोष हमरेपर लगतै।

रधिया- की कहै छी हमरा?

मनदेव- बरसाकेँ नेने अबियौ।
(रधिया आँगना दिसि जाइत अछि। तावत् एकटा पंच मनदेव लग पहुँच जाइत अछि। रधिया तेजीसँ बाहर अबैत अछि।)

रधिया- बरसा घर-आँगनामे नै छै। केतौ भागि गेलै।

मनदेव- आँए।
(सभ अचरजमे डूमि गेल अछि। कनाफुसी शुरू अछि।)

कट टू।

पचासम दृश्य-

स्थान- निर्जन सड़क।
समय- राति।

(बान्हक आगू जा कऽ पक्का सड़कसँ मिल जाइत अछि। अन्हारमे बरसा सुनहट सड़कपर भागल जा रहल अछि। ओकरा पाछू घोड़ सवार देखा पड़ैत अछि। बरसा अन्हारमे नुका रहैत अछि। घोड़ सवार आगू बढ़ैत अछि। पाछूसँ पुलिसक गाड़ी सायरन बजबैत आबि रहल अछि।)

कट टू।

एकावनम दृश्य-

समय- राति।

स्थान- शहरक अन्तिम भाग।

(बरसा नुकाइत आगू बढ़ैत अछि। पाछूसँ एकटा घोड़ सवार देखा पड़ैत अछि। बरसा तेजीसँ बगलक दुआरि दिसि चलि जाइत अछि। आ दरबज्जा खटखटबैत अछि। दरबज्जा विक्रमक माए खोलैत अछि। दुनूमे जान-पहिचान कहियो ने भेल नहि छै। तँए नै चिन्है छै।)

विक्रमक माए- की भेलै बेटी? एते अपसियाँत किए भेल छँह?

बरसा- बदमाश सभ हमरा खेहाड़ने आबि रहल अछि।

विक्रमक माए- अच्छा, आब चिन्ता नै करू। जल्दी भीतर चलि आउ।

(विक्रमक माए ओकरा सहारा दैत भीतरी कोठरीमे बैसा दैत अछि। आ बाहर अबैत अछि। केकरो नै देखैत अछि। केबार लगा कऽ सूति रहैत अछि।)

कट टू।

बावनम दृश्य-

स्थान- विक्रमक घर।
समय- भोरुका बेरा पहर।

(विक्रम थानेदारक वर्दीमे अबैत अछि। माएकेँ सोर पाड़ैत अछि। ओकर माए उठि कऽ अबैत अछि।)

विक्रमक माए- एते भोरे भोर कतए छेलहक बेटा?

विक्रम- पुलिस-दरोगाक नोकरीमे समए देखल जाइ छै।
(टोपी उतारैत) की कहबौ माए। एकटा लड़कीक पाछू गुण्डा लागल छेलै आ गुण्डा-बदमाशक पाछू हम लागल छेलिऐ।

विक्रमक माए- एकटा लड़की तँ अहुठाम भागि कऽ आएल छै।

विक्रम- कतए छै ओ लड़की?

विक्रमक माए- भीतरका कोठलीमे सूतल छै। भागैत-भागैत असकर्याँत भेल छेलै। कहलिऐ आराम करैले।

विक्रम- चलू तँ देखै छी।
(दुनू कोठलीक भीतर जाइत अछि। बरसा ओछाओन सँ निकैल गेल अछि।)

विक्रम माए- अहीठाम सूतल रहै। शाइत चलि गेलै। हड़बड़ीमे पोटरी छूटि गेलै। देखै छी लागल छै।

(विक्रम झुकि कऽ पोटरी उठबैत अछि। ओकरा सन्दुक आगाँ जेबीसँ एकटा फोटो खसि पड़ैत अछि। जे विक्रम नै देखैत अछि। ओकर माए फोटो उठा कऽ देखैत अछि।)

विक्रम- आगत-भागतमे ताक हेरा गेलै माए।

विक्रमक माए- ई फोटो कतए भेटलौ बौआ? ई जेकर फोटो छियौ। बएह लड़की छेलौ।

विक्रम- ठीके माए, तोरा धोखा तँ ने भऽ रहल छौ।

विक्रमक माए- बएह छिऐ, हमरा पूरा विश्वास छै। ई लड़की के छिऐ बौआ?
(विक्रम टोपी लगा तेजीसँ चलैत अछि।)

  ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒥𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧- 𑒂𑒣𑒮 𑒂𑒥𑒱 𑒮𑒹𑒢𑒰 𑒥𑒰𑒞 𑒥𑒳𑒗𑒰 𑒠𑒹𑒥𑒾।

(𑒣𑒩𑓂𑒠𑒰 𑒠𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒏𑒙 𑒙𑒴।

तिरपनम दृश्य-

समय- राति।
स्थान- सड़क।

(तलाशी तथा गश्ती टोलीसँ घेरि रहल अछि। विक्रम अपना दल-बलक सहयोगसँ तीनटा बदमाशकेँ पकड़ि लैत अछि। पिटाइ लागल पछाति बदमाश सभ बजैत अछि जे ओकर हेड हजिया-लड़कीकेँ गाम लऽ गेल हएत। शायत ओहिगाम बिआह करत।
असली बातक पता लगिते विक्रम आदेश दैत अछि।)

विक्रम- अहाँ सभ बदमाशकेँ थानापर लऽ जाउ। हम अबै छी।
(सिपाही सभ बदमाशकेँ थाना दिसि लऽ जाइत अछि। विक्रम टोलीसँ घेर दैत अछि।)

कट टू।

चौवनम दृश्य-

समय- साँझ।
स्थान- बिक्रमक गाम।

(बरसा कोनो तरहेँ नुकाइत-छपाइत गाम अबैत अछि। बिक्रमक घर लग पहुँचैत निराश भऽ जाइत अछि। केतेको दिनसँ बन्न पड़ल सन बुझाइत अछि। परोसी श्रीरतसँ पुछैत अछि।)

बरसा- ई अहाँक पड़ोसी केतए चलि गेलै? केतेक दिनसँ एकर घर बन्न छै?

पड़ोसी श्रीरत- एकर बेटा शहरमे पुलिसिया हाकिम भऽ गेलै। नोकरी मिलला पछाति गाम आएल नहि। माएकेँ संग लऽ चलि गेलै। की बात? केतए नहि छलिए?

बरसा- कोनो बात नै। हमरो घर अहि गाममे पछबारी टोलपर अछि। भेँट करैले आएल छेलौं।
(उदास भऽ चलि जाइत अछि।)

कट टू।


 ISSN 2229-547X VIDEHA

પયપનમ દૃશ્ય-

સમય- દિન।
સ્થાન- નદીક કિનાર।

(વનસા ઉદાસ ભ૬ વૈસલ અછિ ઈ વ્રલ્ડ સ્થાન અછિ જૈઠામ વનસા આ વ્રિકાન પહિલ મિલિ છલ। અોર ળગહકેં ગાછ-વિરિછ, ળંગલ-'હા૬ સબ-ચીળકેં વનસા છૂવૈત અછિ આર વ્રિકાન સંગે ભેલ પ્રથમ મિલનકેં સ્મરણ કરૈત અછિ।)

વનસા- (સ્વત:) ળેકર હમ એતેક દિન તક પ્રતીક્ષા કેલૌં, ઓ હમર કોનો ખોળ-ખબરિ નૈ લેલક। ભેટોં તક કરૈલ નૈ આએલ। (વળૈત-વળૈત આઁખિ મૂનિ લૈત અછિ સેર આઁખિ ખોલૈત અછિ।) કી સોચિ રહલ છી હમ। ળખૈન ઓ એઠામ નૈ અછિ તઁ ભેંટ કરૈલ કેના આએત। ઓર કે એછે હમર। કિયો હમર અપન નૈ અછિ એ સંસારમે। ળખૈન સબ આને અછિ તઁ હમર લેલ મારિ મિરિ ળેનાર સબસઁ નીક હએત।

(આત્મહત્યા કરવાક ઉદેસસઁ ભરલ નદીમે કુદએ ચાહૈત અછિ આકિ દૂટા વદમાશ પાછૂસઁ પકૈડ઼ લર છૈ।)

વદમાસ એક- લ૬ ક૬ ચલ ળલ્દી। વ઼ૉસ રૂનળારી કરૈત હેતૌ।
(વનસાકેં ળવરદસ્તી લ૬ ક૬ વિદા હોરત અછિ વનસા ચિચિયા રહલ અછિ આગૂસઁ ભકોલવા ઘેર લૈત અછિ।)

ભકોલવા- (લાઠી દેખવૈત) કહૈ છિયૌ, છોડ઼િ દિહી લડ઼કીકેં। નૈ તઁ કપાર ઢાહિ દેવૌ।

વદમાશ દૂ- તૂઁ કે છેં રૌ? હટિ ળો આગૂસઁ નૈ તઁ મારલ ળેમેં।

ભકોલવા- ચિન્હ લ હમરા। ચનકીકેં ભાએ ભકોલવા છિયૌ હમ। પરસુએ તઁ વાહરસઁ ગામ એલિયૌ। સબ વાતક પતા લગિ ગેલૌ હમરા। તખૈનેસઁ તાકૈ છેલિયૌ। અપની ચરા ગેલહી ચોટપર।

વદમાશ એક- ભકોલવા, કહિ દૈત છિયૌ। હરિયા માલિક ળઁ વુઝતૌ તઁ।
ભકોલવા- રૌ સાર, કહઁ છૌ હરિયા? ઓકરે કારણ હમર વહિન સૌંસી લગેલકૈ। ઓકરા તઁ હમ ળાન લ૬ લેવૌ। કેતએ છૌ ઊ સાર કહ નૈ તઁ સોડ઼િ દેવૌ કપાર।
(ભકોલવા લાઠી લ૬ ક૬ હુડ઼કૈત અછિ વદમાશ એકસઁ ભિડ઼િ ળારત અછિ દુનૂકેં લડ઼ૈત દેખિ વદમાશ દૂ ભકોલવાકેં પાછૂસઁ અવૈત અછિ આ લાઠીસઁ માથાપર પ્રહાર ક૬ દૈત અછિ ભકોલવા અચેત ભ૬ ગિરિ પડ઼ૈત અછિ દુનૂ વદમાશ વનસાકેં લેને-લેને તેળીસઁ ભાગિ ળારત અછિ।)



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

કટ ટૂ।

છપ્પનમ દૃશ્ય-

સમય- દિન।
સ્થાન- મન્દિર।

મન્દિરક આઁગનીમે વશિષ્ઠક માણ્ડપ સજલ અછિ। દુર્ગાક જગહપર હનિયા બૈસલ અછિ। ઓકરા બગલમે પણ્ડિત અછિ। ગુણ્ડા-બદમાશ સભ ઠાઢ઼ ભેલ ઠાઢ઼ અછિ। બનસાકેઁ જબરદસ્તી આનૈત અછિ।

હનિયા- પણ્ડિતજી, વશિષ્ઠક કાજ શુરૂ કરૂ।

પણ્ડિત- હઁ, દુલહિનકેઁ ઐઠામ લાઉ।

બદમાશ એક- ઈ તઁ એખે ને કરૈ છૈ। (ઘીંચૈત અછિ।)

પણ્ડિત- શુભ કાર્યમે દેરી નૈ। શીઘ્ર લાઉ।

(તખૈને સુરદયન કિછુ બદમાશક સંગ શ્યામબાબૂકેઁ પકડ઼ને અબૈત અછિ। બનસા અપના બાપ દિસિ તકૈત અછિ। શ્યામબાબૂ નજૈર ઝૂકા લેત અછિ આ લોર પોછિ લેત અછિ।)

બનસા- ઐસઁ નીક હોઇત બાબૂજી જે હમરા કોનો મોહરિયા લગ સૌંપિ દિતૌ। ઈ તઁ ઓકરોસઁ નીચ અછિ।
(હનિયા ઉઠિ કઽ એક ચમેટા બનસાકેઁ લગા દૈત અછિ।)

હનિયા- ચુપ રહ। હમ મોહરિયા।

શ્યામબાબૂ- (તોર સ્વરમે) લાજ નૈ હોઇત અછિ, હમરા બેટીપર હાથ ઉઠૈત।

સુરદયન- ઈ કાજ તઁ ઐસઁ પહિને હેબાક ચાહી। ચુપચાપ બૈસલ રહૂ। નૈ તઁ ઠીક નૈ હએત।
(અપસિયાઁત હોઇત મુંશીજી અબૈત અછિ।)

મુંશી- માલિક। કિછુ ગડ઼બડ઼ હોઇબલા અછિ।

સુરદયન- શુભઘડ઼ીમે બકવાસ કરૈ છેં।
(મુંશી લગ આબિ સુરદયનક કાનમે કહૈત અછિ।)

मुंशी- कनी बाहर आबि कऽ देखियौ मालिक।

सुरदयन- (उठि कऽ) चलू।

कट टू।



સન્તાવનમ દૃશ્ય-

સમય- દિન। સ્થાન- મન્દિરક વાહરી ભાગ।

(મન્દિરસઁ વાહર ગામ દિસિસઁ વહુત ગોટે એક સંગ આવિ રહલ અછિ। કેકરો હાથમે લાઠી-ભાલા ત કેકરો હાથમે હઁસુઆ અછિ। સભ તમસાએલ અછિ। ભકોલવા સ્રૂટલ માથકેઁ ગામછાસઁ વન્હને આગૂમે લાઠી નેને ચલિ રહલ અછિ।)

ગ્રામીણ- સુનૈ છી જે શ્યામવાવૂપર દવાવ દેને છૈ। જવરદસ્તી ઓકરા વેટી સંગે વિઆહ કરઽ રહલ છૈ।

ગ્રામીણ- એ વદમાસીકેઁ હમરા સભ વરદાસ નૈ કરવૈ। ચાહે જે ભઽ જાઇ।

ગ્રામીણ તીન- સુદર્શનોનીક ચર્ચા ત કરતિ છેલૈ। આવ અનેહેર કરએ લાગલ।

ગ્રામીણ દૂ- એકર વેટો ત સભ દિન અચલાહે કાજ કેલક। અનકર શ્જજતપર ચાવા।

ગ્રામીણ એક- સુનૈ છી જે વદમાશકેઁ રખને છૈ।

ભકોલવા- વદમાશ અછિ નૈ। હમ સભસઁ આગૂમે રહવો। ચલૌ વહાદૂર ડર નૈ રાખ્યો। ચાહે જાન રહે કી જાય।

કટ ટૂ।

  ISSN 2229-547X VIDEHA

અન્ઠાવનમ દૃશ્ય--

સમય- દિન।

સ્થાન- શ્યામબાબૂક દરબજ્જા।

(પુલિસ દલક સંગે વિક્રમ ગાડ઼ીસઁ ઉતરૈત અછિ। શ્યામબાબૂક ઘરપર કયો ને અછિ।)

પુલિસ- સર, હિનકા ઐઠામ ત઼ઁ કયો નૈ અછિ। આબ કેના કરબૈ।
(વિક્રમ બાટપર ઠાઢ़ એકટા ઔરતિયાસઁ પુછૈત અછિ।)

વિક્રમ- શ્યમબાબૂ કેમ્હર ગેલ અછિ?

ઔરતિયા- (ચૂકિ કિ) ઓકરા ત઼ઁ બદમાશ સભ પકડ઼ી કઽ લઽ ગેલૈ।

વિક્રમ- કેમ્હર લઽ ગેલૈ।

ઔરતિયા- ગામક મન્દિરમે। ઓકરા બેટીસઁ હરિયા જબરદસ્તી બિઆહ કરતૈ।
(વિક્રમ અપના પુલિસ બલક સંગે તેજીસઁ ચલિ દૈત અછિ।)

કટ ટૂ।

ઉનસઠમ દૃશ્ય--

સમય- દિન।
સ્થાન- મન્દિર પરિસર।

(મન્દિર પરિસરમે ગ્રામીણ તથા વદમાશક મધ્ય મારિ-પીટ ભ' રહલ અછિ। ભકોલવાપર હરિયા ગોલી ચલા દૈત અછિ। ગોલી ભકોલવાકેં વામા હાથમે લાગૈત અછિ। તૈયો ઓ ભેવાડ઼ કિ' હરિયાપર ઝડ઼ી ચલા રહલ અછિ। વરસાકેં અવસૈર ભેટ રહલ અછિ। ઓ નુકાએલ મન્દિર પરિસરસઁ ભાગૈત અછિ।)

કટ ટૂ।

ISSN 2229-547X VIDEHA

सातम दृश्य-

समय- दिन।

स्थान- मन्दिरसँ बाहरबला सड़क।

(विक्रम गाड़ीसँ अपना पुलिस बलक संगे मन्दिर दिस आबि रहल अछि। एम्हर मन्दिर दिस बनसा भागल जा रहल अछि। विक्रम ओकरा देखि लैत अछि। गाड़ीपर सँ सोर पाड़ैत अछि। मुदा बनसा नै सुनैत अछि। भागले जा रहल अछि। गाड़ी रोकि विक्रम पुलिस दलकेँ आदेश दैत अछि।)

विक्रम- अहाँ सभ मन्दिर परिसरमे जल्दी जाउ आ स्थितिकेँ सम्हारू। कानून तोड़बला सभकेँ ऐरेस्ट करू। हम लड़कीकेँ बँचाबै छी।

(पुलिस दल मन्दिर परिसर दिस बढ़ैत अछि। विक्रम तेजीसँ बनसाक पाछू दौगैत अछि।)

कट टू।

एकसठिम दृश्य-

समए- दिन।
स्थान- निर्जन सड़क।

(बरसा भागल जा रहल अछि। पाछूसँ बिक्रम हल्ला करैत दौड़ल रहल अछि।)

बिक्रम- ठाढ़ रहू। रुकि जाउ बरसाऽऽऽ। हम बिक्रम छी।
(बरसा स्वर सुनि पाछू मुहेँ तकैत अछि। बिक्रमकेँ देखि ठाढ़ भऽ जाइत अछि। बिक्रमकेँ लगमे अबैत बरसा कानए लगैत अछि।)

बरसा- केतए चलि गेल रहि, एतेक दिन?

बिक्रम- गाम आएल रही। अहाँकेँ खोजलौं। लोक कहलक बरसाक कोनो पता नै चलि रहल अछि। जे ओ केतए अछि। निराश भऽ आपस चलि गेलौं।

बरसा- हमरापर।

बिक्रम- आगू किछु नै बाजू।
(कहैत बिक्रम ओकरा बाँहिक घेरामे बान्हि लैत अछि।)

(हनिया हाथमे पिस्तौल नेने नुकाइत-छपाइत बिक्रमक लग आबि गेल अछि। बिक्रम आ बरसा ओकरा नै देखि रहल अछि। हनिया फायर करैले पिस्तौल तनैत अछि। पाछूसँ अबैत मकोलवा हनियाकेँ देखि लैत अछि। ओ छड़ैप कऽ हनियाक पीठपर चढ़ि जाइत अछि। हनिया मुहेँभरे खसैत अछि। आ उनैट कऽ मकोलवापर फायर कऽ दैत अछि। तावत् बिक्रम देखि लैत अछि। देखिते झपैट कऽ हनियासँ पिस्तौल छीन लैत अछि। आ ओकरापर लात-घुस्सासँ प्रहार करए लगैत अछि। बरसा खूनसँ भीजल मकोलवाकेँ उठबए चाहैत अछि।)

बरसा- (कनैत) भैया। हमरा सबहक कारणे तूँ खून बहा देलहक।

मकोलवा- नै दाय। अहाँ नै कानू। अहाँमे हम अपना बहिनक रूप देखि रहल छी। अहाँ दुनू गोटे बँचि गेलौं। हमर असिर्वाद अहाँक संगे अछि। आर गामक पुरना जाल टूटि गेल। आब हमरा खुशीसँ मरए दिअ।
(कहैत-कहैत मकोलवाक सिर एक तरफ लुढ़क जाइत अछि। पुलिसक दल चारूभरसँ घेरा कऽ ठाढ़ अछि।)



शब्द- ७, ४५५

समाप्त।



ढाल

(एकांकी-नाटक)





दू शब्द-

इष्ट-मित्रक इच्छा छल- नाटक खेलेबाक। हुनका सबहक आग्रहक आदर करैत एकांकी-नाटक लिखबाक प्रयास केलौं। अभ्यासक अभाव रहितो एकटा प्रयास।

-राजदेव मण्डल
१४ जनवरी २०१५

परिचय-पात्र :: बालदेव मण्डल

जन्म : १५ मार्च १९६० ई। **पिता** : स्व. सोनेलाल मण्डल उर्फ सोनाइ मण्डल। **माता** : स्व. शुकवती देवी। **पत्नी** : श्रीमती चन्द्रप्रभा देवी। **पुत्र** : नशिकान्त मण्डल, कृष्णकान्त मण्डल, रविकान्त मण्डल। **पुत्री** : रश्मि कुमारी। **मातृक** : बेलहा (झंझारपुर, मधुबनी) **मूलगाम** : मुसहरनियाँ, पोस्ट- रतनसारा, भाया- निर्मली, जिला- मधुबनी। **पिन**- ८४७४५२ **मोबाइल** : ९१९९५९२९२० **शिक्षा** : एम.ए. द्वय (मैथिली, हिन्दी, एल.एल.बी.)

ई पत्र : बालदेवकविगिमाहियोम

सम्मान : अम्बरा कविता संग्रह लेल विदेह समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार वर्ष २०१२क मूल पुरस्कार तथा समग्र योगदान लेल वैदेह सम्मान-२०१३ प्राप्त।

प्रकाशित कृति : (१) अम्बरा- कविता संग्रह (२०१०), (२) वसुंधरा कविता संग्रह (२०१३), (३) हमर टोल- उपन्यास (२०१३) श्रुति प्रकाशनसँ प्रकाशित।

अप्रकाशित कृति- चाक (उपन्यास), त्रिविमीक रंग (लघुविहनि कथा संग्रह)।

संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

पात्र परिचय :: बाल (एकांकी)

पुरुष पात्र-

११ हरिनाथ- गामक किसान
१२ धनिका- हरिनाथक बेटा
१३ कुशानन्द— गामक सम्पन्न जमीनदार
१४ योगेन्द्र- कुशानन्दक बेटा
१५ बसिष्ठी- गामक एकटा मजदूर
१६ श्यामबाबू- शिक्षक

स्त्री पात्र-

१ चनपटीवाली- हरिनाथक पत्नी
२ सविता- हरिनाथक बेटी

(दू-तीनटा शिक्षक, चारिटा ग्रामीण, डाक्टर, नर्स, दस-बारहटा छात्र एवं छात्रा।)

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

દૃશ્ય- ૧

સમય- દિન।

સ્થાન- હનિયિનાપ્રક ઘર।

(ચનપટીવાળી માનસ-માન કઽ વૈસળ અછિ। હનિયિનાપ્ર અવૈત અછિ।)

ચનપટીવાળી- કેતાય ગેળ છેળિ? ખેવૈ કી નૈ?

હનિયિનાપ્ર- હૃઁ હાઁ। કની હાથ-મુઁહ ધોર છી। ચગિવા સ્કૂળ ગેળ કી નૈ?

ચનપટીવાળી- હાઁ। ઊ તઁ દસે વળે ખા-પી કઽ ચળિ ગેળ।

હનિયિનાપ્ર- ઊ છૌડ઼ી, સવતિયિાકેં નૈ દેખૈ છી।

ચનપટીવાળી- સવતિયિા તઁ ગાય-વકની ચનવૈળ વાચ દસિ ગેળ। કી બેળૈ સે?

હનિયિનાપ્ર- હૈ કી। વેટી-ચાટીકેં કની દાવ-ચાપ કિઽ નાખી। દેખૈ નૈ છિએ ગામક હવા।

ચનપટીવાળી- હે, હમર કુળ-ખનદાન ઓહન નૈ અછિ। જાઉ અહાઁ હાથ ધોને આઉ।

(હનિયિનાપ્ર ચળિ પડ઼ૈત અછિ।)

પટાક્ષેપ।



दृश्य- २

स्थान- गामक विद्यालय।

समय- दिन।

(स्कूलक आगूमे तीन-चारि शिक्षक कुरसीपर बैसल अछि। आपसी गप-सप्प कऽ रहल अछि। किछु बच्चा-बुच्चा पढ़ि रहल अछि आ किछु बाहरी भागमे खेल रहल अछि)

श्याम बाबू- यौ हीरा बाबू, अहाँ जे अपना बच्चियाक बिआहक गप करै छेलिऐ, तकरमे लेन-देन स्वीकरल भेल?

शिक्षक दू- चुप की कहब। वरक माँग अलग आ वरक बापक माँग अलग। टका-पैसा लाउ। मोटर साइकिल लाउ, सोना लाउ, लैपटॉप लाउ। की कहूँ, हथियाक सूढ़ जकाँ डिमान्ड बढ़ले जा रहल अछि। हे यौ, जे बेटीक बिआह करैत अछि से बूझू जे जमपुरीसँ घूमि कऽ अबैत अछि।

(एकटा छात्र लगमे अबैत अछि)

छात्र एक- यौ मास्टर साहेब, ई छौड़ा हमरा गारि पढ़ै छै।

श्याम बाबू- तूँ सभ गारि पढ़ैले एलही आकि पढ़ैले? (छौंकी देखबैत) हमरा सभ गप्प करै छी। एठामसँ जो जल्दी।

छात्र दू- माहटर साहेब, पाँच मिनट।

(जोरदार अवाजमे कहैत बिदा होइत अछि।)

शिक्षक दू- (छौंकी देखबैत) बैस चुपचाप नै तँ देखै छीही छौंकी।

छात्र दू- नै जाए देबै तँ हम अहीठाम लगाहि करि देब।

शिक्षक दू- पढ़ै छीही कथीले। जो ने लघीए करैत रहिहें।

(शिक्षक सभ पुनः गप-सप्प करए लगै छथि। एकटा हरवाहा कान्हपर हर लेने ओही बाटसँ जा रहल अछि।)

हरवाह- यौ माहटर साहेब, अहाँ सभ गप्प कटावलि करैत रहू। बाहरमे छौड़ा सभ मारापीटी करैत अछि। अहिना चलै छै स्कूल यौ?

शिक्षक तीन- हे, अहाँ जा कऽ हर जोतू। (क्रोधमे) अहाँ स्कूलक भाँज की बुझबै यौ।

हरवाह- हँ हँ छौड़ा सभ तँ गैसबान बनबे करतै। अहाँ फोकटमे रूपैआ लैत रहू। कियो कहैबला तँ अछि नै।

शिक्षक तीन- (छौंकी लऽ कऽ ठाढ़ होइत) कहै छी चल जाउ एठामसँ।

हरवाह- यौ अहाँ छौंकी देखबै छी। हमरो हाथमे हरवाहि पेना अछि।

श्यामबाबू- हे यौ की लगल छी। जाउ एठामसँ।

हरवाह- हमरा थोड़े ओते फुरसत अछि। हम अपना काजकेँ भगवान बुझै छी। अहूँ सभ अपना काजकेँ भगवान बुझियौ। बेमतलबमे अबेर भऽ गेल। जाइ छी।

(हरवाहा भनभनाइत चलि जाइत अछि।)

(शिक्षक एकटा बोर्डपर लिखैत अछि संगे पढ़ैत अछि। सविता बकरीकेँ एकटा गाछमे बान्हि स्कूलक खिड़कीसँ सभ देखि-सुनि रहल अछि।)

श्यामबाबू- ई सभटा पढ़ेलहा काल्हि मुँह-जबानी सुनबौ।

(शिक्षक सविताकेँ देखि लैत अछि। जोरसँ सोर पाड़ैत अछि)

एम्हर सोझहामे आ। के हुलकी मारै छँह?

ISSN 2229-547X VIDEHA

(सविता डेराक सोझाँमे अबैत अछि)

श्यामबाबू- तोहर नाम की छियौ? केकर बेटी छह?

सविता- हम सविता छी। हमरा बाबूक नाम श्री हरिनारायण अछि।

श्यामबाबू- एठाम कथीले एलही?

सविता- यौ मास्टर साहैब। हमरो पढ़ऽ दिअ।

श्यामबाबू- पढ़बें, ई तँ नीक बात। अच्छा कह, पाँच जोड़ पाँच केतेक भेलै।

सविता- दस भेलै माष्टर साहैब।

श्यामबाबू- दिमाग तेज छौ। तोराले परियास करबाक चाही। घरपर जेबौ, तोरा बापकेँ समझेबै। अप्पनो तूँ जो।
(सविता चलि दैत अछि। बरखाक छोट-छोट बून गिरए लगैत अछि। छात्र सभ भागए लगैत अछि।)

एकटा छात्र- यौ माष्टर साहैब। बरखा शुरू भऽ गेल। हम भागै छी। अहूँ भागू।
(कहैत पड़ाइत अछि।) छुट्टी छुट्टी।

पटाक्षेप।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

दृश्य- ३

स्थान- हरिचन्द्रक घर।

(शिक्षक-एक जे श्यामबाबूक नामसँ जानल जाइत अछि, प्रवेश करैत अछि)

श्यामबाबू- हरिचन्द्रजी छी यौ। (जोरसँ चिकरैत अछि)

हरिचन्द्र- (आँगनासँ बाहर निकलैत) मास्टर साहेब, प्रणाम-प्रणाम। आउ बैसू। कहू, हमर छौड़ा ठीकसँ पढ़ैत अछि किने?

श्यामबाबू- हँ हँ, नीकसँ पढ़ैत अछि। हम दोसरो काजसँ आएल छी।

हरिचन्द्र- कहू ने, आओर की बात छै। (आँगना दिस तकैत जोरसँ बजैत अछि) सुनै छिऐ सरबतियाक माए। चाह बनौने आउ। (श्यामबाबू दिस तकैत) कहू मास्टर साहेब, की कहै छी?

श्यामबाबू- अहाँक बेटी बड्ड संस्कारी अछि। बुद्धियोमे तेज। पढ़त-लिखत तँ जरूर नाम रोशन करत। काल्हिसँ ओकरा स्कूल भेजू।

हरिचन्द्र- यौ मास्टर साहेब, बेटी की पढ़तै। ओकरा घर-आँगनाक काजसँ फुरसत कहाँ होइ छै।

श्यामबाबू- फुरसत देबै तब ने पढ़तै। हे यौ, ऐ देशक बेटी तँ देशसँ विदेश धरि अपन नाम चमका रहल अछि।

हरिचन्द्र- हे यौ, ओहन परिवारो रहै छै तब ने होइ छै। हमरा तँ समाजो तेहन अछि जे बेटीकेँ घरसँ निकलैत देखि खाली दोख लगौत।

श्यामबाबू- दोख लगौलासँ की हेतै। अपन-अपन चरित्र होइ छै। लोकक कहलासँ नीक बेकती अधला न जेतै। हे यौ आब तँ सरकार, कानून सभटा ऐ दिशामे सहयोग कऽ रहल अछि।

हरिचन्द्र- बेटाकेँ पढ़बैमे तँ जुमबै ने करैए छी आ बेटीकेँ।

श्यामबाबू- देखियौ, बेटा-बेटीमे कोनो अन्तर नै होइ छै। गाछ रोपबै तब ने फल भेटत।

(हरिचन्द्रक स्त्री चाह लेने आबि जाइत अछि।)

हरिचन्द्र- आँगनामे रहै छै तँ माइयोकेँ थोड़-बहुत काज सम्हारि दइ छै। असगरे तँ।

श्यामबाबू- यौ काजो करतै आ पढ़बोकरतै। खरचो बेसी नै छै। सरकारी सहयोग भेटै छै।

चनपटीवाली- बात मानि लियौ। मास्टर साहेब अधला नै कहैत हेथिन।

हरिचन्द्र- ठीके छै। जँ सभ कहै छी तँ स्कूल जेतै।

श्यामबाबू- खुशी भेल। काल्हिसँ समैपर स्कूल भेजू।

(एक-दोसराकेँ प्रणाम करैत श्यामबाबू विदा भऽ जाइ छथि।)

पटाक्षेप।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

દૃશ્ય- ૪

સ્થાન- સ્કૂ૭।

સમય- દિન।

(શિક્ષક પઢા નહ૭ છથિ। છાત્ર આ છાત્રા સભ પોથી, કૌપી, ૭એ પાઁતિમે વૈસ૭ અછિ।)

શિક્ષક દૂ- જે સવા૭ વનૈવે૭ દેને છિયો, જ૭દી વના કઽ ૭, જે સભસઁ પહિને ૭વવૈ સે તેજગર કહેમૈં આ જે સભસઁ પાછૂ દેખેમૈં તેકરા છૌકી ૭ાગતૌ।

સવિતા- માસ્ટર સાહેવ, હમ સવા૭કેં હ૭ કઽ ૭ેલૌ।

(ઠાઢ ભઽ કઽ કૌપી દેખવૈત અછિ।)

શિક્ષક દૂ- દેખહી ની છૌડ઼ા સભ। મેહનતક શ્વ૭। કછિ દિનમે સવિતાયા સભસઁ આગૂ ભઽ ગે૭ી। એકરે કહૈ છૈ કાદોમે કમ૭ ખુ૭ેનાઇ।

ચમિવા- માસ્ટર સાહેવ હમહૂઁ હસિાવ વના ૭ે૭ૌ।

શિક્ષક દૂ- વનેવેં તઁ કહિનુ પાછૂસઁ। તોરા તઁ પહિને ધ્યાક ચાહી, તોહર વહિન તઁ કછિ દિન પહિનેસઁ સ્કૂ૭ આવય ૭ાગ૭ી। તૂઁ તઁ કહિયાસઁ ઐઠામ પઢૈ છેં।

છાત્ર દૂ- માસ્ટર સાહેવ, જોગેન્દ્ર હમરા વઙિઆ કાટિ ૭ે૭ક।

શિક્ષક દૂ- હૈં-હૈં વઙિઆ કાટતૌ। આર કી કરતૌ। એકર વાપ કુ૭ાનન્દ વાવૂ તઁ કહૈત નહૈ છૈ જે હમરા કછિોક કમી નૈ અછિ। વેટાકેં ચાર-ચારિટા ટીસન વનૌને છી। આ વેટા તેહેન જુસકો૭ છૈ જે પાછૂમે વૈસિ કઽ વઙિઆ કટૈ છૈ। (મુડ઼ી ૩ઠા કઽ દેખૈત)

હે રૌ જોગેન્દ્રા, ૭ા કૌપી। હસિાવ વનૌલેં?

જોગેન્દ્ર- ચૌ માસ્ટર સાહેવ, અહાઁક સવા૭ ગ૭ત અછિ।

શિક્ષક દૂ- આઁઇ! સવા૭ ગ૭ત અછિ।

સવિતા- ચૌ માસ્ટર સાહેવ, ઇ તઁ ભરિ દિન ૭ેકક વાડ઼ીક ૭ામ તોડ઼ેત અછિ નૈ તઁ પરતીપર ક્રિકેટ ખે૭ૈત નહૈ છૈ। એકરા વુતે કહૂ સવા૭ વનૈ। તૈં સવા૭કેં ગ૭ત કહૈ છૈ।

શિક્ષક દૂ- ઠીકે, ઇ છૌડ઼ા ખયરપની કરૈ છૈ। રૌ ૭ા તઁ કૌપી। કી ગ૭ત છૈ।

જોગેન્દ્ર- હસિાવ વનૌ તેકર વાદ દેખાએવા। કોરૌ કી હમ વનરની છી જે ચટ દઽ કૂદિ કઽ દેખા દેવ।

સવિતા- માસ્ટર સાહેવ, સુનૈ છિયૈ હમરા વનરની કહૈ છૈ।

જોગેન્દ્ર- ૭ગૈ છી વનરની સન। તઁ કહવૌ વનરની। દેખહી રૌ વનરનીકેં।

શિક્ષક દૂ- (૩ઠિ કઽ ચારિ-પાઁચ છૌકી જોગેન્દ્રક પીઠ આ વાઁહિપર ૭ાગૈત)

ગામોપર વદમાસી આ સ્કૂ૭ોમે ખયરપની। ઐઠામ વઙિઆ કટૈ૭ અવૈ છેં આકિ પઢૈ૭? હમરો સોહ્હામે ઉચપની।

જોગેન્દ્ર- હે માસ્ટર સાહેવ, હમ કહિ દૈઇ છી। ઇ છૌડ઼ી હમરા મારિ ખુઆ નહ૭ અછિ। એકરો ઠીક કરિ દેવૈ। જાઇ છી, વાવૂકેં સભટા ગપ્પ કહવૈ।

શિક્ષક દૂ- (છૌકી ૩ઠવૈત) જો, પહિને વાવૂકેં કહિ આવહી।

જોગેન્દ્ર- (વાદિ હોઇત અછિ) કહિ દૈઇ છી, હમ સભકેં ઠીક કઽ દેવ। હમરો નામ જોગેન્દ્રા છિયૈ। (ચ૭િ દૈત અછિ)

(ઘાન્ટી ટુનટુનાઇત અછિ।)


 ISSN 2229-547X VIDEHA

शकि्षक दू- ઝાર ઝો। ટસ્થિનિ મs ગેલૌ।
(છાત્ર સભ વાહ્ર દસિ યળ દૈત શ્રછા।)

પટાક્ષેપ।

ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२)  मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

દૃશ્ય- ૫

સ્થાન- સ્કૂલક વાહની બાગ।

સમય- દિન।

(શિક્ષક સબ સ્કૂલસઁ વાહર સડ઼ક દિસ ળા રહલ અછિ। હરિચિરામ અપના વેટી સવિતાક સંગે દોસર દિસિસઁ અવૈત રહૈ। ઓકના પાછૂ એકટા ગ્રામીણ વસિષ્ઠી અછિ। સવિતાક કપડ઼ા-લત્તા ફાટલ અછિ।)

હરિચિરામ- પ્રણામ, માસ્ટર સાહેવ। (સવિતા કાનિ રહલ અછિ।)

શ્યામવાવૂ- પ્રણામ, હરિચિરામળી। સવિતા કિએ કાનિ રહલ અછિ? કી ભેલ?

હરિચિરામ- હમ તઁ ઓહિ દિન કહને છેલૌ ળે અપના વેટીકેં નૈ પઢ઼ાએવ। અહાઁ હમરાપર વડ઼ડ ળોર દેલિએ। તેકર ફલ દેખિ લિયૌ।

શ્યામવાવૂ- ગપ કહવૈ તખ્નહિ ને વુઝવૈ। ભેલ કી?

હરિચિરામ- હૈત કી। ગરીવક ધિયા-પુતાકેં પઢ઼વાક એહેન અધિકાર છૈ। ળે દેખિ લિયૌ। કુલાનન્દ વાવૂક વેટાક કરિદાની। ઓ હમરા વેટીકેં માતૈત-માતૈત વાટમે ખસા દેને છેલૈ।

શ્યામવાવૂ- કોન ગપક ઝગડ઼ા ભેલૈ?

હરિચિરામ- સુનૈ છી, ળે કુલાનન્દ વાવૂક વેટાક વાતેમે સવિતિયા કિછો વાળલ નૈ। તહિ કારણે અહાઁ ઓકરા મારને રહિએ।

શ્યામવાવૂ- કમ્પલેન કેને નૈ। સવિતિયાક વાતો સાઁચે છેલૈ। ઊ છૌડ઼ા ઠીકે વદમાશ અછિ।

હરિચિરામ- વદમાશી કેનાઇ તઁ ધનિકક ધિયા-પુતાક સંગિત છિએ।

શ્યામવાવૂ- ઈ કોન ગપ ભેલૈ। અઘલા ગપક તઁ વિરોધ હેવાક ચાહી।

હરિચિરામ- દેખૈ ને છિએ। હમર વેટી વિરોધમે વળલૈ તઁ કેહેન દશા ભેલૈ। માસ્ટર સાહેવ, ઠીક હેતૈ ળે હમ અપના વેટીકેં નૈ પઢ઼વિતૌ। એકરા કપડ઼ા-લત્તાક હાલત દેખિયૌ।

(આઁખિમે નોર ભરિ ળાઇત અછિ।)

કી હેતૈ પઢ઼ા કઽ?

શ્યામવાવૂ- એહેન ગપ નૈ વાળૂ। ઠીક કાળમે અહિના અડ઼ચન હોઇ છૈ। અહાઁ અપના વેટીકેં પઢ઼ાઉ। હમ કહૈ છી- અહાઁક વેટી નામ રોશન કરત।

હરિચિરામ- કેના પઢ઼ૈવૈ યૌ માસ્ટર સાહેવ?

શ્યામવાવૂ- અહાઁ ચિન્તા નૈ કરવા। હમ કુલાનન્દ વાવૂસઁ ભેંટ કરૈલ ળાઇ છી। ચલૂ યૌ વસિષ્ઠીળી, હમરા સંગે।

વસિષ્ઠી- હઁ-હઁ ચલૂ। (સબ કિયો વિદા ભઽ ળાઇ છથિ।)

પટાક્ષેપ।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

દૃશ્ય- ૬

સ્થાન- કુળાનન્દક ઘ૨।

સમય- દિન।

(કુળાનન્દ અપન દ૨વજ્જાપ૨ અસગ૨ે કુ૨્સીપ૨ બૈસળ છથિ। કતેક ઠામ કઽ ટૂટળ હથ્ટટ્ટા, પુ૨ાન કુ૨્સી ૨ક્ખળ અછિ। શશિભૂષણ શ્યામબાબૂક સંગ વસિષ્ઠી પ્રવેશ।

શ્યામબાબૂ- પ્રણામ યૌ કુળાનન્દ બાબૂ।

કુળાનન્દ- (મુડી ઉઠા કઽ દેખૈત) પ્રણામ માસ્ટ૨ સાહેબ। પ્રણામ-પ્રણામ! !

(વ્યંગ્ય કરૈત) વાહ! વસિષ્ઠીઓકેં દેખૈ છી। હે ગૈ વસિષ્ઠી! કની કુ૨્સી ળ આેમ૨૨સં। માસ્ટ૨ સાહેબ બૈસતા।

(વસિષ્ઠી કુ૨્સી આનિ કાતમે ઠાઢ઼ ભઽ જાઇત અછિ)

શ્યામબાબૂ- હમ૨ા સભ એકટા વિશેષ કાજે આએળ છી।

કુળાનન્દ- બનિ કાજમે ટટિહી થોડે઼ ળૌ છૈ। હમ બુઝૈ છી। ગૈ વસિષ્ઠિયા મુંહ કથિ તકૈ છેં, બાજ ને કી બાત છિઐ?

વસિષ્ઠી- કી કહબ માળિક। અહાંક જોગેન્દ૨ બદમાશી કેળક। આે હ૨િચિ૨ણક બેટીકેં બ૭ડ માર મારળ્ખનિ।

કુળાનન્દ- હે ગૈ હમ૨ બેટા કોનો બતાહ છૈ। જે બનિ કાજમે કેકરો પીટતૈ। આેક૨ો બેટી ખચ૨પન્ની કેને હેતૈ।

શ્યામબાબૂ- આે તં સચિસ્સે જોગેન્દ૨ક કમ્પળેન કેને નહિ।

વસિષ્ઠી- ધિયા-પુતાકેં હાંટ-દબાડ઼ દેબાક ચાહી। એતામે ધિયા-પુતા મનબઢ઼ ભઽ જાઇત અછિ।

કુળાનન્દ- તૂ હમ૨ા સખિબૈ છેં। ઊ સ્કૂળ હમ૨ા જમીનપ૨ ઠાઢ઼ છૌ। હમ મદતિ કેળિયૌ તં સ્કૂળ બનળૌ। આ૨ હમ અપને ધિયા-પુતાકેં મા૨-પીટ કઽ ભગા દેબૈ! ! !

શ્યામબાબૂ- ભગેબૈળ કહાં કહૈ છી। કની સમઝ-બુઝા દેબૈ તં નીક નહિતૈ।

કુળાનન્દ- હમ૨ ગામ છી। હમ નીક-અધળા બુઝૈ છિઐ। હ૨િચિ૨ણા બેટાકેં તં પઢ઼ાઇએ ને સકૈએ આ બેટીકેં કેતએસં પઢ઼ાએત। આેક૨ા કાજમે હમ જોગેન્દ૨કેં મા૨બૈ? ઈહ! બડ઼ છોટ સે ઉતપાત હાથ! !

વસિષ્ઠી- કની બેસી ગળતી ભઽ ગેળૈ માળિક। મા૨ૈત-મા૨ૈત સબતિયાકેં સભટા કપડ઼ા-ળત્તા ફાડ઼ દેને છૈ।

કુળાનન્દ- આે, આબ બુઝળૌ। કપડ઼ા-ળત્તાકેં હમ૨ા દામ ળગત! સએહ ને ગૈ?

વસિષ્ઠી- સે હમ કહાં કહૈ છી।

કુળાનન્દ- તૂં કી કહૈ છેં સે હમ બુઝૈ છિઐ। દુઆ૨ાપિ૨ આબિ કઽ ઉપરાગ દેઇૈં। માસ્ટ૨ સાહેબક સોઝામે કી કહબૌ। યૌ માસ્ટ૨ સાહેબ હમ૨ ગામ છી। હમ સભ ગપ બૂઝિ-સમઝિ ળેબૈ। અહાં સભ એઠામસં અપ્પની ચળિ જાઉ।

(માસ્ટ૨ સાહેબક સંગ વસિષ્ઠી ચળિ જાઇત અછિ)

પટાક્ષેપ।

दृश्य- ७

स्थान- हरिचरणक घर।

(हरिचरण अपना साढ़ू संगे दुआरपर बैसल अछि। साढ़ू रघुवीर घड़ीमे समए देखैत अछि।)

रघुवीर- साढ़ू! हम त' किछुकालक बाद चलि जाएब। एकटा गप कहबाक छल।

हरिचरण- हँ-हँ- कहू की बात?

रघुवीर- हमर पत्नी त' बेमार रहैत अछि आ अखनि गर्भवती अछि। असगरे बेटाकें बड्ड दिक्कत होइ छै। हम सरकारी सेवामे छी। कखनि घरपर आएब तेकर कोनो ठेकान नै। एहेन परिस्थितिमे।

हरिचरण- अहाँ की कहए चाहै छी?

रघुवीर- अहाँ छोटकी बचियाकें हमरा घरपर जाए दैतिऐ त' पत्नीकें सहारा भऽ जइतै।

हरिचरण- ओ त' पढ़ै छै। (निसाँस छोड़ैत) ओना लड़कीकें पढ़ेनाइ बड्ड कठिन छै। मुदा सविताकें पढ़बए पड़तै। कहि त' ओ तेजगर छै।

रघुवीर- तेकर चिन्ता अहाँ नै करू। हमहूँ सन्वसि करै छी। शहरमे पढ़ेनाइ असान छै। टाइमपर पढ़बो करतै आ अपना मौसीकें देख-भाल करतै। पत्नीओ असगर नै रहतै। अनमना लागल रहतै।

हरिचरण- कहै त' छी ठीके किन्तु अपन बचिया-पुता अपने लग ठीक रहै छै। पढ़ाइमे खर्चो त' लगै छै।

रघुवीर- खर्चाक चिन्ता नै करू साढ़ू। हमरो किछोक अभाव नै अछि। सविता जेते धरि पढ़तै सभ खर्च-वर्च हमर।

(हरिचरणक पत्नी चाह लेने अबैत अछि। ठमकि कऽ सभ सुनि लैत अछि।)

पत्नी- आब एतेक जिद्द करै छथिन त' जाए दियौ सविताकें। सुनने नै छिऐ जे माए मरे आ मौसी जिऐ।

(सविता ओतएसँ दौगल अबैत अछि। हरिचरण ओकरा रोकैत अछि।)

हरिचरण- सविता एम्हर सुन! मौसा संगे गाम जेबही? (सविता किछु ने बजैत अछि।)
तोहर मौसा ओहिठाम स्कूलमे पढ़ैक व्यवस्था लगा देतौ।

सविता- हँ जेबै। मौसी संगे रहबै आ ओहिठाम पढ़बै।

हरिचरण- ठीक साढ़ू। अहाँक समस्याक समाधान भऽ गेल।

रघुवीर- ठीक छै। तैयार होउ दू घण्टा बाद गाड़ीसँ चलब।

पटाक्षेप।



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका'विदेह' १८२ म अंक १५ जुलाइ २०१५ (वर्ष ८ मास ९१ अंक १८२) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

દૃશ્ય- ૮

સ્થાન- ગામક ચૌક।

(તીન-ચારિટા ગ્રામીણ સડ઼કક કાતમે ગાછતર બૈસલ અછિ। ચબૂતરાપર ગપ-સપ્પ કઽ રહલ અછિ।)

ગ્રામીણ એક- (ગાછ દિસિ ઇશારા કરૈત) દેખયૌ, ઈ ગાછ કેતેકટા રહૈ। દેખિતે-દેખિતે કેતેક વિશાલ ભઽ ગેલૈ।

ગ્રામીણ દૂ- એકરા રોપનિહાર તઁ શ્મશાન ભઽ ગેલૈ। સમય બીતત કોનો દેરી હોઇ છૈ।

ગ્રામીણ તીન- હઁ યૌ, ઈ સ્કૂલક ધિયા-પુતા સભ એકરા રોપને રહૈ।

ગ્રામીણ ચારિ- દેખૈ ને છિએ, ચનિયા, સવિતિયા, જોગેન્દર સભ ધિયા-પુતા આબ શ્મશાન ભઽ ગેલૈ।

ગ્રામીણ એક- સુનૈ છિએ, સવિતિયા શહરક સ્કૂલમે પઢિ કઽ બડ઼કા ડાગદરની ભઽ ગેલૈ। ચનિયાઇકેં નામ રોશન કઽ દેલકૈ।

ગ્રામીણ ચારિ- ધુર ચનિયાઇ બુતે થોડ઼े હોઇતૈ। ઈ તઁ ઓકર સાઢૂ પઢાઇક ખરચા દેલકૈ તબ ભેલૈ।

ગ્રામીણ તીન- હઁ યૌ ઊ બગલક શહરમે અસ્પતાલ ચલબૈત અછિ। હમર કાકી તેતેક બીમાર રહૈ જે ને જીબતિ। સવિતક દવાઇસઁ બઁચિ ગેલૈ।

ગ્રામીણ દૂ- તબ તઁ નામી ડાક્ટર અછિ યૌ।

ગ્રામીણ એક- અચ્છા ગામકેં ઊઁચ કેલક।

(કુલાનન્દક બેટા જોગેન્દર દારૂ પીને આ અઙ-બઙ બજૈત, ગારિ પઢૈત, લડ઼ખડ઼ાઇત જા રહલ અછિ।)

જોગેન્દર- ઓઽઽઽ સા.લે તેરી માઁ કે છોડ઼બૌ ને। (લડ઼ખડ઼ાઇત અછિ।)

ગ્રામીણ એક- કે છી યૌ? એના ગારિ પઢૈત કહિ જાઇ છી?

ગ્રામીણ દૂ- ચિક્કડ઼ છથિ। જોગેન્દરા। માએ-બાપક નામ રોશન કઽ રહલ છથિ।

(જોગેન્દર ઉનટિ કઽ ગ્રામીણ-દૂ કેં પકડ઼િ લૈત અછિ।)

જોગેન્દર- રે સાર તૂં હમરા ગારિ દેલહી। તોરા હમ આઇ બાપસઁ મોલાકાત કરબા દેબૌ।

(ગ્રામીણ તીન દુનૂકેં બીચ હોઇત ઝગડ઼ાકેં છોડ઼બૈત અછિ।)

ગ્રામીણ તીન- એના ને કરૂ। ઈ કહિઓ ને બદલત। અહાઁ બેકારમે ઝગડ઼ા ને કરૂ। જાઉ, એઠામસઁ।

જોગેન્દર- ઈ તોરા બાપક જગીર છિયૌ જે ચલિ જેબૌ, એઠામસઁ।

(જોગેન્દર ગારિ પઢૈત-પઢૈત બોકરએ લાગૈ।)

ગ્રામીણ એક- બાપ રે બાપ! ઈ તઁ ખૂન બોકરૈ છૈ। કી ભઽ ગેલૈ યૌ। સોર પાડૂ કુલાનન્દ બાબૂકેં। એકર હાલત બડ઼ ખરાપ છૈ!

(ગ્રામીણ ચારિ કુલાનન્દકેં સોર પાડ઼એ જાઇત અછિ। જોગેન્દર બેહોશ ભઽ ખસિ પડ઼ૈત અછિ।)

ગ્રામીણ તીન- એકરા જલ્દી શહરક અસ્પતાલ ને લઽ કઽ જેતૈ તઁ પરાન બઁચાએબ મોશકિલ ભઽ જેતૈ।

ग्रामीण दू- एकरे कहै छै- करमक भोग। दुनू बापुत समाजमे कुकर्म करैत रहै छेलै। तँए ने बजरल? सभ कयिलो बरबाद कऽ देलकै। आर देख लियौ भोग।

ग्रामीण एक- एकरे तँए हरियारा अपना बेटीकेँ साहू संगे जेल शहरमे पढ़ौलकै। आ शहरक नामी-गिरामी डाक्टर बनल छै।

(कुलानन्द अबै छथि। अपना बेटाक हालत देखिते आँखिसँ नोर खसए लगै छन्हि।)

कुलानन्द- आब कोन उपाय करबै हौ। केना परान बँचतै हौ। हौ माय, हमरा एकेटा बेटा अछि हौ।

ग्रामीण एक- यौ कुलानन्द बाबू, एकरा शहरक अस्पताल लऽ कऽ चलू। अपने गामक बढ़ियाँ डाक्टर अछि ओइठाम।

कुलानन्द बाबू- के हौ?

ग्रामीण एक- हरियारा बेटी डा. सविता कुमारी। केहेन-केहेन बीमारीकेँ ठीक कऽ देलकै। एकरो ठीक करतै।

कुलानन्द बाबू- (मुड़ी झुका लेत अछि।) हौ सुनने त' छलिए, मुदा की कहबै? अपने करल करिदानी। सोहाने केना जेबै?

ग्रामीण तीन- अहाँ कोनो चिन्ता नै करू। लऽ कऽ चलू। हमहूँ सभ संगे चलै छी। सभ ठीक भऽ जेतै। एकरा उठाउ। चलै चलू।

(जोगेन्द्रकेँ उठाबए लगैत अछि।)

पटाक्षेप।

दृश्य- ८

स्थान- अस्पतालक बरामदा।

(तीन-चारिटा ग्रामीण बेंचपर बैसल अछि। डाक्टर सविता आ नर्स सभ एमहरसँ ओम्हर आबि-रहल अछि आ जा रहल अछि। कुलानन्द तीनूसँ बतिऔत अछि।)

ग्रामीण एक- यौ कुलानन्द बाबू! आब तँ अपना सभकेँ गाम दिस चलबाक चाही। कोनो तरहेँ जोगेन्द्रक जान बँचि गेल।

कुलानन्द- कोनो तरहेँ की कहै छी। ई कहियौ जे डाक्टरनी सविताक कृपासँ प्राण बँचि गेल।

ग्रामीण दू- से तँ ठीके। मुदा डाकदरनीकेँ धैनवाद देलिऐ?

कुलानन्द- की कहब यौ। हमरा तँ सविताक सोझहोमे जाइत लाज होइत अछि। हमर बेटा ओकरा मारि-पीट कऽ सकूलसँ भगा देने रहै। तइ कारणे ओकरा गामसँ बाहर रहि पड़ए पड़लै। बएह आइ हमरा बेटाक जान बँचौलकै। ओइ दिन मास्टर साहैब हमरा उपराग देबाक लेल गेल रहै। मुदा हमहूँ कहिनो नै केलिऐ। उनटे मास्टर साहैबकेँ डपटि कऽ भगा देलिऐ। हम दुष्ट लोक छी। (आँखिसँ नोर आबि जाइत अछि।)

ग्रामीण दू- दुखित नै होउ। अपसोच नै करू।

कुलानन्द- अपसोच तँ हेबाक चाही। गलतीकेँ स्वीकार करबाक चाही। अहूँ सुनि लिअ- समाजक बचिया-पुता पढ़ैत-लिखैत हो वा कोनो नीक काज करैत हो तँ ओकरा सभकेँ सहयोग करबाक चाही। कोनो सुआरथक गप नै सोचबाक चाही।

ग्रामीण एक- सविता हरिचरणक बेटी नै अछि। समूचा समाजक बेटी अछि। अपना गामक डंका शहरमे बजा रहल अछि।

(सविताक संगे जोगेन्द्र प्रवेश करैत अछि। जोगेन्द्र मुड़ी झुकौने अछि।)

सविता- आब अहाँसभ गाम जा सकै छी।

(जोगेन्द्र दिस इशारा करैत)

हिनकर स्थिति गाम जेबाक योग्य भऽ गेल छन्हि। बीमारी कन्ट्रोलमे अछि। मुदा ठीक समैपर दवाइ दैत रहबनि आ पुन: आबि कऽ चेक करबा लेब।

ग्रामीण एक- (हाथ जोड़ैत) अहाँ धन्य छी- सविताजी।

सविता- (ग्रामीणकेँ प्रणाम करैत) अहाँ सभ हमरा असीरवाद दिअ जे अहिना हम अहाँ सबहक सेवा करैत रही।

ग्रामीण एक- चलै चलू।

(कुलानन्द संगे ग्रामीण सभ हाथ जोड़ने बिदा भऽ जाइत अछि। जोगेन्द्र ठाढ़ रहि जाइत अछि। सविता लगमे अबैत अछि।)

सविता- हमर देल कनियाँ-सप्पत मन राखब। कहियो दारू-शराब नै पीअब आ ने हाथसँ छुअब। दवाइ टैमपर खाइत रहब।

(𑒖𑒼𑒑𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒢𑒼𑒩𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒢𑒼𑒩𑒰𑒋𑒪 𑒂𑒿𑒐𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒼𑒕𑒋 𑒪𑒑𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒖𑒼𑒑𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒯𑒧 𑒁𑒣𑒩𑒰𑒡𑒲 𑒕𑒲। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒑𑒪𑒞𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒰𑒤 𑒏𑓄 𑒠𑒱𑒁।

(𑒯𑒰𑒟 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒫𑒱𑒠𑒰 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।)

𑒬𑒥𑓂𑒠 𑒮𑓀𑒐𑓂𑒨𑒰- 𑓒𑓘𑓔𑓐

𑒣𑒙𑒰𑒏𑓂𑒭𑒹𑒣।
𑒮𑒧𑒰𑒣𑓂𑒞।

𑒌 𑒩𑒔𑒢𑒰𑒣𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨 𑒑𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑓀𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑒨𑒼𑒧 𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।



𑒣𑒪𑓂𑒪𑒫𑒲
𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪

𑒏𑒰𑒑𑒖- 𑒏𑒪𑒧

𑒏𑒰𑒑𑒖- 𑒏𑒪𑒧𑒮𑒿 𑒠𑒼𑒮𑓂𑒞𑒲 𑒏𑒹𑒪𑒰𑒮𑒿

𑒏𑒱𑒮𑓂𑒧𑒞 𑒥𑒠𑒻𑒪 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻



સ્પ્રાહીમે ગંગા ઈ, શાહિસમે પનસિ્ક□ત મડ ળાર છૈ

અપ્પન ગપ્પ ળે કહ દિયૌ

ગપ્પકેઁ ગપ્પ વુહ

અપના યના ગાપ્પ ઈ મુસ્કાર છૈ

કછુ ગ્ભાના ભિપ્પૂ વા

ભિપ્પુ કછુ તવવાળ્ળો

આો વસ ભિપ્પૈત ળાર છૈ

કેકનો કછુ સાવતિ કનવાક

આોકના યશ્તિ નહિ

ને ગભત આ ને સહી

વસ ભિપ્પિ- ભિપ્પિ આો

કછુ કહએ યાહે છૈ

"કનવાક અછિ અહાઁકે અપન કાળ

તપ્પને અહાઁકે મભિત અપન આવાળ્"

ઈ વાયાન ઈ નપ્પૈત સદપ્પિન કછુ ગુનગુનાર છૈ

ઐતેક સ્પષ્ટતા સહેળને વ્યવહાન કતેક મભિનસાન અછિ

અહિના નહિ કહે છી ળે

હનિકાસઁ દોસ્તી કડ કએ કસ્મિત વદૈભ ળારએ

ઈ ળે સદપ્પિન હમના સમકેઁ

હમન યથાર્થસઁ ભેંટ કનાવૈએ

હનિકા ળકાઁ દોસ્તી કહાઁ કયૌ નમિાહૈએ

ભેંટ કનૂ હનિકાસઁ તપ્પન વુહ્વ

ૐ કેોકો ક્નાણ્નિકાનીકેં

સાહસક સંગ ઊપ્પે- વળૈક

ક્ષમનાકેં વઢાવૈ! !

ઐ નચનાપન શ્રપન મંનવ્ય ગાગાળેનદનાવ્દિહ્યોમ **પન પઠાઉ।**

વ્દિહ



મૈથિલી સાહિત્ય શ્રાન્દોલન

(ચ) ૨૦૦૪-૧૫ સન્વાયકિાન ઊપ્પકાયીન શ્રા ળનs ઊપ્પકક નામ નૈ શ્રછિ નિs સંપાદકાયીન। વ્દિહ- પ્નથમ મૈથિલી પાક્ષકિ ઈ-પત્નકિ। ઽષષામ ૨૨૨૯- ૫૪૭ઝ વ્ઽચઽશ્ર સમ્પાદક: ગાળેન્દ્ન ઠાકુન। સહ-સમ્પાદક: ઉમેશ મંડલ। સહાયક સમ્પાદક: નામ વ્લિાસ સાહુ, નન્દ વ્લિાસ નાય, સન્દીપ કુમાન સાશ્રી શ્રા મુન્નાળી (મનોળ કુમાન કનાા)। કલા-સમ્પાદન: ળ્યોનિ િા ચૌયની। સમ્પાદક- નાટક-નંગમંચ-ચલચિત્ન- વેચન ઠાકુન। સમ્પાદક- સૂચના-સમ્પન્ક-સમાદ- પૂનમ મંડલ। સમ્પાદક- શ્રનુવાદ વ્ભિાગ- વ્નીિન ઉત્પલ।

નચનાકાન શ્રપન મૌલકિ શ્રા શ્રપ્નકાશતિ નચના (ળકન મૌલકિતાક સંપૂન્ણ ઉત્તનદાયત્વિ ઊપ્પક ગાણક મધ્ય છન્હિ) ગાગાળેનદનાવ્દિહ્યોમ કેં મેલ શ્રટૈચમેણ્ટક નૂપમેં દોચ, દોચશ, નનડ વા નશન શ્ર◌ૉન્મેટમે પઠા સકૈ છથિ। નચનાક સંગ નચનાકાન શ્રપન સંક્ષપ્તિ પનચિચ શ્રા શ્રપન સ્કૈન કએલ ગેલ શ્રોટો પઠેતા, સે શ્રાશા કનૈ છી। નચનાક શ્રંતમે ટાઇપ નહએ, ળે ઈ નચના મૌલકિ શ્રછિ, શ્રા પહલિ પ્નકાસનક હેતુ વ્દિહ (પાક્ષકિ) ઈ પત્નકિાકેં દેલ ળા નહલ શ્રછિ। એતs પ્નકાશતિ નચના સભક ક◌ૉપીનાઇટ ઊપ્પક્ સંગ્નહકર્તા લોકનકિ લગમે નહતન્હિ, માત્ન એકન પ્નથમ પ્નકાશનક પ્નટિ-વેલ શ્રાન્કાઇવક્ શ્રાન્કાઇવક શ્રનુવાદક શ્રા શ્રાન્કાઇવક ઈ-પ્નકાશન્ પ્નટિ-પ્નકાશનક શ્રધકિાન ઐ ઈ-પત્નકિાકેં છૈ। ઐ ઈ પત્નકિાકેં શ્નીમતિ લક્ષ્મી ઠાકુન દ્વાના માસક ૦૧ શ્રા ૧૫ તથિકિં ઈ પ્નકાશતિ કએલ ળાઇત શ્રછિ।

(ચ) ૨૦૦૪-૧૫ સન્વાયકિાન સુનક્ષતિ। વ્દિહમે પ્નકાશતિ સભટા નચના શ્રા શ્રાન્કાઇવક સન્વાયકિાન નચનાકાન શ્રા સંગ્નહકર્તાક લગમે છન્હિ। નચનાક શ્રનુવાદ શ્રા પુન: પ્નકાશન કવિા શ્રાન્કાઇવક ઉપયોગક શ્રધકિાન કનિવાક હેતુ ગાગાળેનદનાવ્દિહ્યોનિ પન સંપન્ક કનૂ। ઐ સાઇટકેં પ્નીતિ િા ઠાકુન, મધૂલકિા ચૌયની શ્રા નશ્મ પ્નિયિા દ્વાના ડળિાઇન કએલ ગેલ। ળુલાઈ ૨૦૦૪ કેં **હત્તપ:ગાળેનદનાનઠાકુનવલૌગસપોતયોમ૨૦૦૪૦૭વહલસાનકિ-ગાચહ્હ્તમલ** “ભાલસનકિ ગાછ”- મૈથિલી ળાલવૃત્તસેં પ્નાનમ્ભ ઇંટનનેટપન મૈથિલીક પ્નથમ ઉપસ્થતિકિ ચાત્ના વ્દિહ- પ્નથમ મૈથિલી પાક્ષકિ ઈ પત્નકિા ધનિ પહુંચલ શ્રછિ, ળે **હત્તપ:ૌવ્દિહ્યોનિ** પન ઈ પ્નકાશતિ હોઇત શ્રછિ। શ્રાવ “ભાલસનકિ ગાછ” ળાલવૃત્ત

'𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯' 𑒄-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒏 𑒖𑒰𑒪𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒏 𑒋𑒑𑓂𑒩𑒲𑒑𑒹𑒙𑒩𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞 𑒦𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒄-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰। **ISSN 2229-547X VIDEHA**

 

𑒮𑒧𑒰𑒣𑓂𑒞